प्रशिक्षण मोड्यूल 1

कृषक उत्पादक कंपनी (एफ.पी.सी.) की शासन प्रणाली एवं संरचना

बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति

प्रशिक्षण मोडयूल 1

कृषक उत्पादक कंपनी (एफ.पी.सी.) की शासन प्रणाली एवं संरचना

संकलन सहयोग : टेक्नोसर्व इंडिया
संकल्पना, संपादन और डिजाइन : कृषि इकाई एवं ज्ञान प्रबंधन और संचार इकाई
(बी.आर.एल.पी.एस., जीविका)

प्रथम संस्करण, 2019
प्रतिलिपि अधिकार सुरक्षित

प्रशिक्षण की तैयारी

जांच–सूची (प्रशिक्षण से एक सप्ताह पूर्व)

- प्रशिक्षण हेतु स्थल का चयन एवं प्रशिक्षण हेतु तैयारियाँ
- प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दिनांक एवं समय के बारे में याद दिलाना एवं इस प्रशिक्षण से नए कौशल एवं ज्ञान के रूप में प्राप्त होनेवाले लाभों के बारे में बताना
- अपेक्षित उपस्थिति संख्या की समीक्षा और प्रशिक्षण सामग्री का संग्रह
- प्रशिक्षण के दौरान उपयोग के लिए आवश्यक सभी सामग्री और उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित करना
- प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण कक्ष को व्यवस्थित करना एवं सभी प्रतिभागियों के लिए सीटे, सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

मार्गदर्शिका का अध्ययन कर प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया का अभ्यास करें ताकि आप आश्वस्त और खुद को तैयार महसूस करें

जांच–सूची (प्रशिक्षण के दिन)

- फ़्लिप चार्ट की उपलब्धता सुनिश्चित करना
- अतिरिक्त फ़्लिप चार्ट, कागज़ एवं टेप की उपलब्धता की जांच करना
- प्रशिक्षण कक्ष को ज़रूरत के हिसाब से व्यवस्थित करना
- दीवारों पर सबंधित चित्र एवं पोस्टर को टांगना
- प्रशिक्षण सामग्री को टेबल पर इस तरह व्यवस्थित करना कि ज़रूरत पड़ने पर उसे आसानी से उपयोग में लाया जा सके
- प्रशिक्षण कक्ष में चारों तरफ़ घूम कर सभी ज़रूरी सुविधाओं का अवलोकन एवं प्रशिक्षण के दौरान उपयोगी होनेवाले लोगों को शामिल करना
- प्रतिभागियों के ठहरने की व्यवस्था की देख–रेख एवं यदि किसी चीज़ की आवश्यकता हो तो प्रशिक्षण स्थल के प्रबंधक को इसकी सूचना देना

प्रशिक्षण सत्र 1 – शासन प्रणाली

कुल अवधि – 3 घंटे 40 मिनट

स्थान – कक्षा

सामग्री

1 पैड	फ्लिपचार्ट	2	क्विज़ कार्ड
1 रोल	मास्किंग टेप	1	रोल प्ले
1 डब्बा	मार्कर पेन	1	लिज्ज़त पापड़ का विडियो
1 डब्बा	पेन	1	फूल एवं पौधों का विडियो
1	प्रशिक्षक मार्गदर्शिका	1	पोस्टर/शासन पणाली चक्र का फ्लेक्स

मुद्दे

अवधि	विषय
10:00 पूर्वा0 – 10:20 पूर्वा0	स्वागत एवं उन्मुखीकरण
10:20 पूर्वा0 – 10:30 पूर्वा0	शासन प्रणाली को समझाना
10:30 पूर्वा0 – 10:40 पूर्वा0	रोल प्ले
10:40 पूर्वा0 – 10:50 पूर्वा0	संस्थानों एवं संघों का उदाहरण
10:50 पूर्वा0 – 11:40 पूर्वा0	शासन प्रणाली चक्र
11:40 पूर्वा0 – 12:00 अप0	सामूहिक अभ्यास
12:00 अप0 – 12:30अप0	केस स्टडी – लिज्ज़त पापड
12:30 अप0 – 12:50 अप0	शासन प्रणाली एवं प्रबंधन में अंतर
12:50 अप0 – 01:15 अप0	शासन प्रणाली एवं प्रबंधन के बीच संतुलन
01:15 अप0 – 01:20 अप0	निदेशक मंडल (BoD), शेयरधारक एवं प्रबंधन के बारे में पूर्ण जानकारी देना
01:20 – 01:30 अप0	संक्षेप्तीकरण एवं पुनरावलोकन
01:30 अप0 – 01:40 अप0	समापन

20 मिनट स्वागत

10 मिनट	प्रतिभागियों का स्वागत एवं अभिनंदन अपना व्यक्तिगत परिचय दें एवं संस्थान में अपनी भूमिका के बारे में बताएँ अतिथियों एवं विषयगत विशेषज्ञों का परिचय करवाएँ प्रतिभागियों को अपना परिचय देने के लिए आमंत्रित करें

	सीखने का माहौल बनाना प्रशिक्षण शुरू करने से पहले हमें कुछ समय बिताकर पूरे कक्षा में एक उपयोगी वातावरण तैयार करना चाहिए जिससे हमें निम्नलिखित लाभ मिल पाए :– 1. एक दूसरे के साथ सहजता बन सके 2. सीखने की प्रक्रिया में आसानी से शामिल किया जा सके 3. अधिक से अधिक सूचना का संग्रहण एवं स्थायीकरण पूँछे : सीखने हेतु एक सफल वातावरण के कौन कौन से महत्वपूर्ण तथ्य होते हैं?
5 मिनट	गतिविधि – जमीनी नियम इस बात की व्याख्या करें कि जमीनी नियमों को मानते हुए किस प्रकार से सीखने योग्य सफल माहौल बनाया जाता है। जमीनी नियम निम्न प्रकार से है :–

- ऐसे नियम जिसे हम सभी मानने पर सहमत हों और जो सीखने में हमारी मदद करे
- एक अच्छे माहौल होने के लिए आवश्यक तत्वों की सूची रखना जो हमलोगों के लिए महत्त्वपूर्ण हो।

पूछे : इस वर्ग के लिए कौन से जमीनी नियमों को आप लागू करना चाहते हैं

(नोट : प्रशिक्षक को जमीनी नियमों को एक चार्ट पेपर पर लिख लेना चाहिए तथा प्रतिभागियों द्वारा सुझाये गए उन सभी नियमों, जिन पर सबकी सहमति हो, को इस पेपर पर लिख लेना चाहिए। प्रत्येक सत्र के आरम्भ होने तथा सत्र के दौरान इसे दीवार पर टंगा होना चाहिए।)

जमीनी नियम

उत्तर :

- ध्यान देना – सक्रिय बातचीत
- समय का ध्यान रखना – हमेशा
- फ़ोन को साइलेंट मोड में रखना

- एक दूसरे की राय का सम्मान करना
- जब समझ में न आये तब सहज होकर इसे स्वीकार करना
- कोई अन्य

5 मिनट – प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य एवं पहुँच के बारे में जानकारी

(प्रशिक्षक के लिए नोट : आपको प्रशिक्षण मार्गदर्शिका, चार्ट पेपर, रंगीन मार्कर तथा टेप की आवश्यकता होगी)

शासन प्रणाली पर आधारित प्रथम दिन के प्रशिक्षण में सभी का स्वागत. इस दौरान हमलोग कुल मिलाकर चार निम्लिखित सत्र को जान पायेंगे.

- कृषक उत्पादक कम्पनी की शासन प्रणाली
- विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं महत्त्व
- नेतृत्व
- शासन प्रणाली की संरचना

हैण्डआउट : समूचे ट्रेर्निंग का एजेंडा

बताएं : प्रथम दिन का सत्र शासन प्रणाली पर आधारित होगा। आज हमलोग शासन प्रणाली तथा शासन प्रणाली के मुख्य तथ्य पर ध्यान केन्द्रित करेंगे. जो आपको निम्नांकित को समझने में मदद करेगा

- शासन प्रणाली के अर्थ को समझने में
- शासन प्रणाली के तथ्य को समझने में
- शासन प्रणाली एवं प्रबंधन के बीच के अन्तर को समझाने में
- कृषक उत्पादक कम्पनी के प्रबंधन तथा शासन प्रणाली के बीच के संतुलन के महत्त्व को जानने में

पूछें : इससे पहले कि हमलोग शुरू करें, कोई सवाल हो तो बताएं

10 मिनट – शासन प्रणाली को समझाना

पूछें : जब हम शासन प्रणाली की बात करते हैं तब आपके दिमाग में क्या आता है? आप इसे किस रूप में देखते हैं ? (प्रतिभागियों के प्रत्येक जवाब को बोर्ड पर नोट करते जाएँ)

उत्तर : यह नियंत्रण एवं प्रदर्शन के बारे में है।

उदाहरण : देश, राज्य, समाज एवं विद्यालय इनमे से कोई भी, जिसका क्षेत्रफल निश्चित हो, प्राधिकरण, प्रतिनिधि, शक्ति एवं नियम हो। जवाबदेही तथा प्रदर्शन नियंत्रण, प्रदर्शन का सीधा समानुपाती है क्योंकि अगर नियंत्रण है तभी सभी नियमों के प्रति जवाबदेही हो सकती है और समय समय पर प्रदर्शन की समीक्षा की जा सकती है।

10 मिनट – रोल प्ले

परिचय : किसी परिवार पर आधारित एक रोल प्ले करना जिसमे परिवार में निर्णय लेने की विधि से प्रतिभागियों को अवगत कराना।

10 मिनट – संस्थानों एवं संघों का उदाहरण देना

संस्थानों एवं संघों से सम्बंधित कुछ उदाहरण साझा करें

प्रतिभागियों को दोनों , CLF एवं SHG की बैठक का चित्र दिखाएँ और उन्हें थोडा समय दें ताकि वे हो रही बैठक के बारे में जानकारी एवं उससे सम्बंधित निर्णय बना सकें। जब संभावित उत्तर के साथ वे तैयार हों तब उनसे कुछ सवाल करें

प्रत्येक उत्तर के साथ यह कोशिश करें कि शासन प्रणाली पर उनकी समझ को बढाया जा सके।

चित्र – SHG

चित्र – CLF

संकुल स्तरीय संघ (CLF) एवं समूह से सम्बंधित प्रश्न

- प्रतिभागी कौन कौन हैं?
- क्या बैठक आयोजित करने की कोई प्रक्रिया है?
- निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या होती है?
- फैसले कैसे लागू होते हैं?
- SHG और CLF बैठक की दो तस्वीरों में आपको क्या अंतर दिखाई देता है।
- प्रमुख सीख के साथ निम्न निष्कर्ष निकालना :–
- SHG और CLF की दिशा
- SHG और CLF की संरचना
- SHG और CLF की प्रक्रिया
- SHG और CLF का प्रदर्शन

50 मिनट : शासन प्रणाली के तथ्य – शासन प्रणाली चक्र

पूछें : चक्र शब्द से आप क्या समझते हैं

उत्तर : आइये, इस शब्द को एक संरचना के आधार पर समझते हैं। चक्र का आकार एक गोलाकार होता है जिसके केंद्र से सभी समान दूरी पर होते हैं.

अब शासन प्रणाली में हमलोग इस शब्द का प्रयोग क्यों करते हैं ?

समझाएं : चक्र शब्द का प्रयोग शासन प्रणाली को समझने में इसलिए किया जाता है कि इसके सारे तथ्य एक समान महत्त्वपूर्ण होते हैं और सभी तथ्य पर समान ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

पूछें : शासन प्रणाली चक्र के बारे में आप क्या समझते हैं की बात करते हैं ?

उत्तर : अब तक हमलोगों ने शासन प्रणाली के बारे में चर्चा की और कोशिश की है कि उदाहरण के साथ इसे सही तरीके से समझा जाए।

आइये, इसे क्रमबद्ध तरीके से समझते हैं

सबसे पहले हमलोग शासन प्रणाली पर ध्यान देंगे जैसा कि उदाहरण से स्पष्ट है शासन प्रणाली में संरचना, प्रक्रिया, प्रदर्शन इत्यादि शामिल हैं। अभी भी शासन प्रणाली को और अधिक जानने के लिए हमें इसके विभिन्न तथ्यों को समझाना होगा।

शासन प्रणाली का चित्र

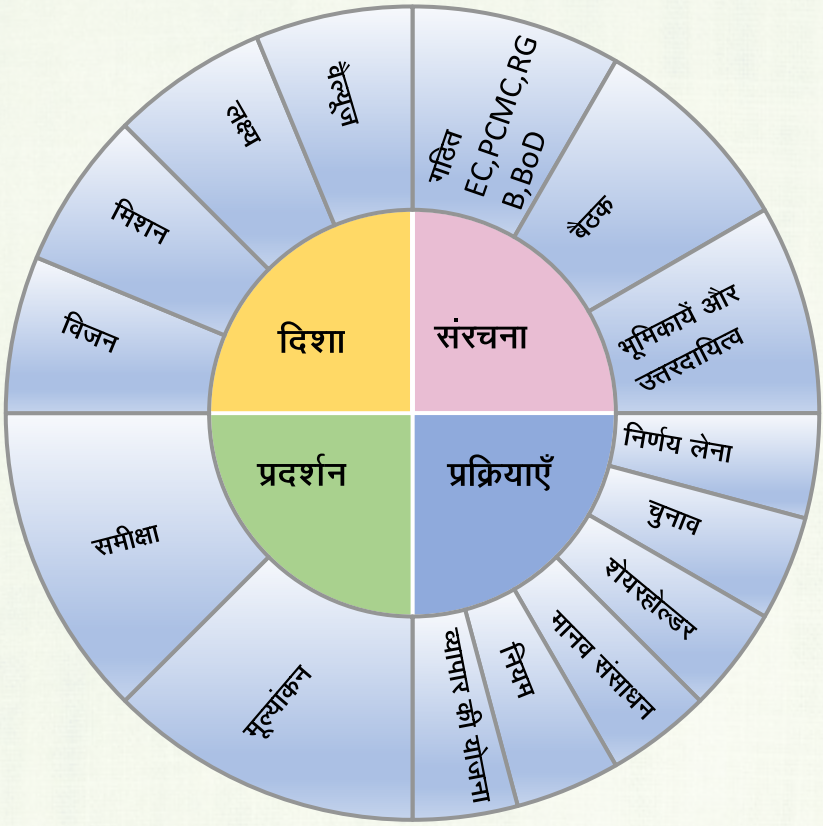

समझाएं : कृषक उत्पादक समूह को ध्यान में रखते हुए यह बताने का प्रयास करें कि शासन प्रणाली चक्र में इसके विभिन्न तथ्य किस स्थान एवं किस प्रकार हैं।

सबसे पहले सूरज के चित्र के सहारे शासन प्रणाली के विभिन्न अवयवों को चक्र में प्रदर्शित स्थानों के आधार पर बताया जाना है।

एक सूरज का चित्र बनायें। घेरे के अन्दर की सभी चीजें शासन प्रणाली है जबकि सूर्य की किरण शेयर धारक है इससे यह पता चलता है कि प्रत्येक शेयर धारक समान रूप से महत्त्वपूर्ण है। अब यह सूरज तभी चमकेगा जब इसके भीतर का प्रत्येक स्थान प्रकाशमय हो और किसी प्रकार का ग्रहण न हो। आइये, प्रत्येक अवयव पर एक–एक कर चर्चा करें जो समान रूप से महत्त्वपूर्ण हैं।

शासन चक्र की तस्वीर से पता चलता है कि प्रत्येक घटक में क्या शामिल है। आइए प्रत्येक घटक को एक–एक करके देखें और समझें (चित्र स्व–व्याख्यात्मक है इसलिए चर्चा करते

समय इसकी सहायता लें):

1. दिशा
   - विज़न
   - मिशन
   - लक्ष्य
   - वैल्यूज
2. संरचना
   - कार्यकारिणी समिति, उत्पादक कम्पनी प्रबंधन समिति (PCMC), प्रतिभागी निकाय मंडल (RGB) एवं निदेशक मंडल (BoDs) का गठन
   - बैठक
   - भूमिका एवं जिम्मेदारी
3. प्रक्रिया
   - निर्णय लेना
   - चुनाव
   - शेयर धारक
   - मानव संसाधन
   - नियम
   - व्यापार नीति
4. प्रदर्शन
   - समीक्षा
   - मूल्यांकन

20 मिनट – सामूहिक अभ्यास

प्रतिभिगियों को तीन समूहों में बाँट कर उन्हें A,B तथा C का नाम दें। अगर प्रतिभागियों की संख्या कम हो तब एक ही समूह बनायें।

शासन प्रणाली चक्र को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक समूह आपस में फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी पर चर्चा करें। चर्चा के उपरान्त सभी समूह प्रस्तुत करें जिसमें इस बात की चर्चा हो कि किस प्रकार वे अपने कृषक उत्पादक कम्पनी (FPC) को और अधिक मजबूत बना सकते हैं।

30 मिनट – केस स्टडी

केस स्टडी – लिज्ज़त पापड

संसाधन की उपलब्धता के आधार पर विडियो दिखाएँ या इस पर चर्चा करें।

विडियो दिखाते समय इसे बीच–बीच में रोक–रोक कर इस पर समझ बनाने की कोशिश करें।

इस केस स्टडी का लिंक : https://www.youtube.com/watch?v=53SkSWAECiI

पूछें : विडियो दिखाने के उपरान्त पूछे जाने वाले प्रश्न :–

प्रश्नावली :

1. लिज्जत की खासियत क्या है ?
2. जोड़ कर रखने वाला मुख्य कारक क्या है?
3. इसके सदस्य कौन हैं? उनका चयन कैसे किया जाता है? उनका चयन संगठन को कैसे प्रभावित करता है?
4. फैसले कैसे लिए जाते हैं?
5. यह पहचानें कि यहाँ शासन कहाँ देखा जा सकता है? इस संगठन में शासन के स्तंभ क्या हैं? आपको क्यों लगता है कि यह महत्त्वपूर्ण है?

प्रतिभागियों से मिले सभी उत्तरों को लिखिए और शासन चक्र से इसे जोड़कर समझने का प्रयास कीजिए

पूछें : आपके अनुसार लिज्ज़त पापड़ उद्योग में ऐसा क्या है जो आपके संस्थान में नहीं है ? क्या आपके कृषक उत्पादक कम्पनी (FPC) को मजबूत बनाने में इन चीजों की आवश्यकता है ?

व्याख्या कीजिये : इससे पहले हमलोगों ने शासन प्रणाली चक्र के मुख्य चार अवयवों पर चर्चा की है :–

1. दिशा 2. संरचना 3. प्रक्रिया एवं 4. प्रदर्शन। ये चार अवयव शासन चक्र को एक सम्पूर्ण संरचना प्रदान करते हैं। यहाँ पर इस केस स्टडी के द्वारा हमलोगों ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की :–

- दिशा का निर्धारण हो गया है तथा उन्हें पता है कि अभी वे कहाँ हैं और कहाँ तक जाना है। इस प्रकार उनके स्पष्ट विज़न है और लक्ष्य का निर्धारण हो चुका है। सफल होने के लिए मूल्य का होना जरूरी है जो यह अवसर देता है कि आप आगे आकर अपनी जिम्मेदारी उठायें और अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय दें। सदस्यता ग्रहण करने से पहले कुछ नियमों के पालन करने से स्वाभिमान के साथ साथ एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण होता है जो प्रथम तथ्य/दिशा को दर्शाता है।
- प्रत्येक स्तर पर समिति के सदस्यों या समूहों का चयन/चुनाव किस प्रकार होता है। यह चक्र की द्वितीय तथ्य संरचना को बताता है।
- प्रक्रिया जैसे नए व्यापार के आरम्भ, नयी शाखा खोलना, सदस्यता ये मिलकर तीसरे तथ्य की प्रक्रिया बताता है।
- समय समय पर समिति का मूल्यांकन करना जिसमें सदस्य को उसके प्रदर्शन के आधार पर अधिक जिम्मेदारी दी जा सकती है। यह चतुर्थ तथ्य को दर्शाता है।

आइये एक तस्वीर के सहारे यह देखते हैं कि किस प्रकार प्रत्येक पायदान के सहारे कोई उद्यमी एकता एवं स्वामित्व के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है।

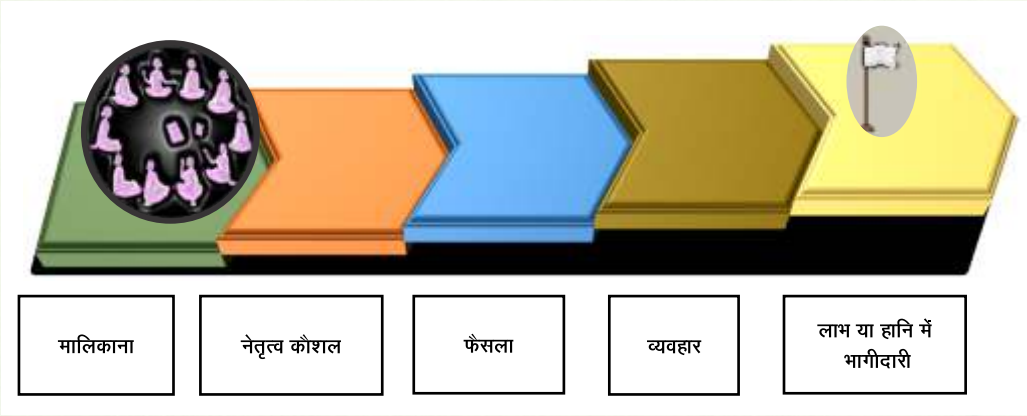

20 मिनट – शासन प्रणाली एवं प्रबंधन में अंतर

पूछें : शासन प्रणाली और प्रबंधन से वे क्या समझते हैं ? क्या शासन प्रणाली और प्रबंधन दोनों दो चीज हैं?

प्रतिभागियों के द्वारा दिए गए सभी उत्तरों को ध्यान से सुनें.

व्याख्या करें : नीचे दिए गए चित्र के सहारे शासन प्रणाली और प्रबंधन के बीच के अंतर को समझाएँ।

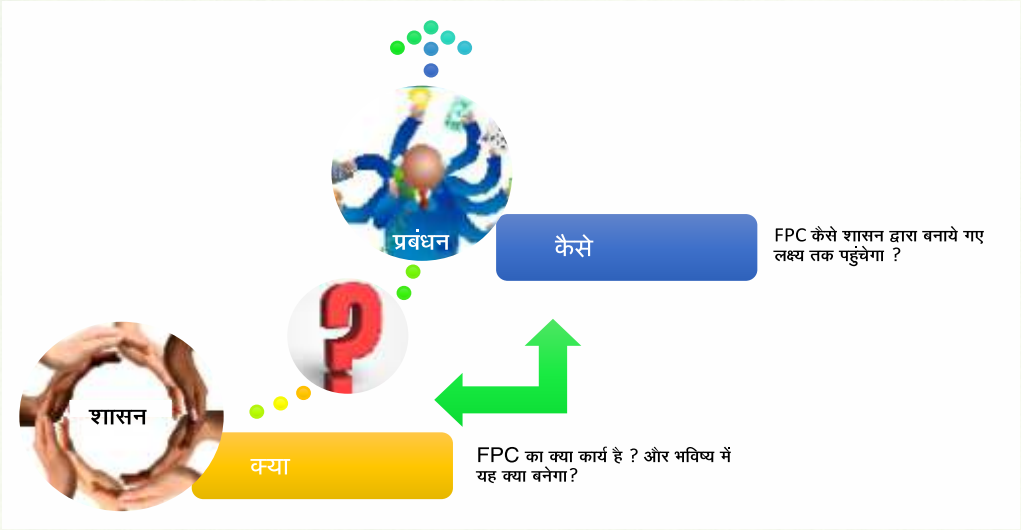

चर्चा करें कि निदेशक मंडल (BOD), कृषक उत्पादक कम्पनी (FPC) की शासन प्रणाली और प्रबंधन के कार्य की व्याख्या किस प्रकार करते है?

चर्चा करे : कृषक उत्पादक कम्पनी (FPC) में अच्छी शासन प्रणाली विकसित करने के लिए

शासन प्रणाली एवं प्रबंधन के बीच संतुलन का होना आवश्यक है। यह तभी संभव है जब शासन प्रणाली और प्रबंधन के बारे में स्पष्ट जानकारी हो।

25 मिनट – शासन प्रणाली एवं प्रबंधन के बीच संतुलन

शासन प्रणाली एवं प्रबंधन के बीच संतुलन का चित्र दिखाएँ

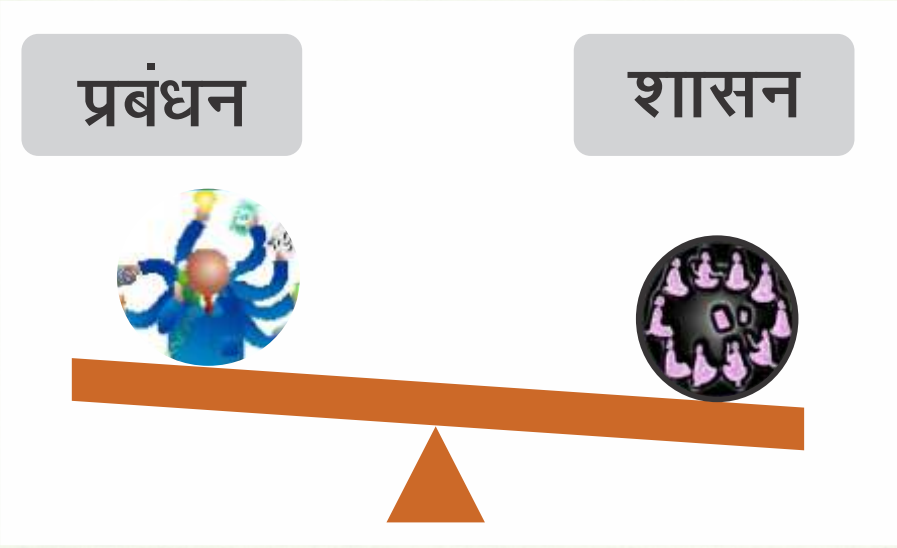

शासन और प्रबंधन के बीच कम स्पष्टता या अस्पष्टता ऊपर दिखाए गए चित्र की तरह होगी।

कार और उसके ड्राइवर का चित्र दिखाएँ

BoD तैयार है FPC को चलाने के लिए , लेकिन उन्हें FPC के बारे में कुछ पता नहीं है

BoD द्वारा संचालित FPC जिसमे उन्हें संचालन में बाधा हो रही है

प्रबंधन द्वारा संचालित FPC जिसमें प्रबंधन BoD का पूरा आदर करता है जो FPC का शासन चलाते है

व्याख्या करें : ऊपर दिखाए गए चित्र में कुल तीन तस्वीरें हैं। आइये, जानते हैं ये तस्वीर क्या कहती हैं:–

तस्वीर एक : यह दिखाता है कि एक व्यक्ति चालक सीट पर बैठा है। यह मान लिया जाय कि चालक निदेशक मंडल (BoD) है और सीट कृषक उत्पादक कम्पनी (FPC) का है। चालक बिना कार के ही गाडी चलने का प्रयास कर रहा है। यहाँ पर कृषक उत्पादक कम्पनी (FPC) कार है।

अब, इस तस्वीर से क्या सन्देश मिलता है ?

इस तस्वीर से हमें यह पता चलता है कि निदेशक मंडल, कृषक उत्पादक कम्पनी (FPC) के बारे में ज्यादा कुछ नहीं जानता है जबकि उसे चला रहा है। अगर इसे शासन प्रणाली चक्र के साथ जोड़कर देखा जाय तब यह बहुत खतरनाक स्थिति है।

तस्वीर 2 : यह दिख रहा है कि एक व्यक्ति कार की सीट पर बैठकर इसे चला रहा है। यह मान लिया जाय कि वह चालक निदेशक मंडल (BoD) है और कार कृषक उत्पादक कम्पनी (FPC) है।

यह चित्र से हम क्या समझ रहे हैं ?

यह चित्र हमे बताती है कि निदेशक मंडल (BoD), कृषक उत्पादक कम्पनी (FPC) को कहाँ ले जाना चाहती है और वह खुद ही इसे ले जा रही है लेकिन प्रश्न है कि क्या वह सबकुछ करने में सक्षम है?

इसका उत्तर है – नहीं क्योंकि निदेशक मंडल (BoD) की अपनी सीमायें हैं। उसके पास अलग अलग गतिविधियाँ, समय एवं तकनीकी जानकारी का अभाव हो सकता है।

तस्वीर 3 : तस्वीर 3 में एक अच्छे ड्रेस के साथ एक व्यक्ति कार के मालिक के आने का इंतज़ार कर रहा है और मालिक के आने के बाद अपनी जिम्मेदारी समझ कर कार का दरवाजा खोलता है ताकि मालिक अन्दर बैठ सके। मान लीजिये, दरबाजा खोलने वाला व्यक्ति प्रबंधक है और मालिक निदेशक मंडल (BoD) है।

अब यह तस्वीर क्या कहती है ?

यह बताती है कि निदेशक मंडल (BoD) को गंतव्य (Destination) का पता है जबकि प्रबंधक को यह पता है कि वहां कैसे पहुंचा जा सकता है। यह परिस्थिति हमें बताती है कि निदेशक मंडल (BoD) को पता है कि उन्हें क्या चाहिए और वह अपने कृषक उत्पादक कम्पनी (FPC) को कहाँ ले जाना चाहता है जबकि प्रबंधक को यह पता है कि वहां कैसे पहुँच सकते हैं और वह इस कार्य के लिए निदेशक मंडल का सम्मान करता है। प्रबंधन एवं शासन प्रणाली के बीच यह स्पष्टताए वं संतुलन का कार्य करता है।

5 मिनट – निदेशक मंडल (BoD), शेयर धारक एवं प्रबंधन

इस लिंक पर क्लीक करें

https://66.media.tumblr.com/6eb1cf55433e739fe127291090854c08/tumblr_o1hiy38sfY1u9mlrzo1_500.gif

व्याख्या करें : इस चित्र में छोटे फूल शेयर धारक के सामान हैं जो एक दूसरे से हाथ से हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए चल रहे हैं। गोलाकार के बीच में स्थित दो बड़े वृक्ष निदेशक मंडल (BoD) हैं और वे लोग भी खुश हैं। यह दर्शाता है कि अच्छे शासन प्रणाली के कारण शेयर धारक खुश हैं और उनके बीच में एकता है। निदेशक मंडल के चेहरे पर भी खुशी है जिसने इसे कायम कर रखा है। गोलाकार चित्र के बाहर दो सफ़ेद पौधे जो दर्शक की तरह हैं, प्रबंधक हैं। प्रबंधक भी खुश है क्योंकि उन्होंने कृषक उत्पादक कम्पनी (FPC) को उनके निर्धारित विज़न तक पहुँचाया है।

10 मिनट – संक्षेपण एवं पुनरावलोकन

5 मिनट – समापन

अनुदेश – प्रतिभागियों को सवाल तथा इस प्रशिक्षण से अपेक्षा के विषय मे पूछना चाहिए,

पूछें : अभी तक बताये गए मुद्दों पर किसी को कोई सवाल भी है?
प्रतिभिगियों के द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देना चाहिए.

अगले चरण की व्याख्या कीजिये

- अपने साथ सभी सामग्री को ले जाएँ
- अपने FPC को मजबूत बनाने में आज की गतिविधि तथा सीख को उपयोग में लायें
- अगले सत्र के प्रशिक्षण में भाग लेने के पूर्व इस सत्र की जानकारी को इकठ्ठा कर लें।

पुनरावलोकन :

- यह कहाँ आयोजित किया जायेगा ?
- कितने समय में यह आरम्भ होगा ?
- आप किन मुद्दों को बताएँगे?
- सहजकर्ता के रूप में कौन होगा ?
- उन्हें पूर्व में क्या–क्या तैयारी करनी होगी ?

सत्र 2 – विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यूज

कुल समय – 3 घंटे

सामग्री

1 पैड	फ्लिपचार्ट	2	क्विज़ कार्ड
1 रोल	मास्किंग टेप	1	रोल प्ले
1 डब्बा	मार्कर पेन	1	पोस्टर (विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यूज)
1 डब्बा	पेन		
1	प्रशिक्षक मार्गदर्शिका		

मुद्दें

अवधि	विषय
10:00 पूर्वा0 – 10:10 पूर्वा0	पिछले सत्र की चर्चा एवं उन्मुखीकरण
10:10 पूर्वा0 – 10:20 पूर्वा0	विज़न पर समझ
10:20 पूर्वा0 – 10:35 पूर्वा0	रोल प्ले
10:35 पूर्वा0 – 10:50 पूर्वा0	विज़न एवं मिशन पर समझ
10:50 पूर्वा0 – 11:30 पूर्वा0	पोस्टर की सहायता से विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यूज पर चर्चा
11:30 पूर्वा0 – 11:40 पूर्वा0	कृषक उत्पादक कंपनी के बारे में समझ
11:40 पूर्वा0 – 11:50 पूर्वा0	कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की आवश्यकता एवं महत्त्व पर चर्चा
11:50 पूर्वा0 – 12:00 अप0	समूह कार्य
12:00 अप0 – 12:10 अप0	टाटा इंटरनेशनल के उदाहरण द्वारा विज़न, मिशन एवं वैल्यूज पर चर्चा
12:10 अप0 – 12:45 अप0	SWOT विश्लेषण
12:45 अप0 – 12:55 अप0	संक्षेपण एवं पुनरावलोकन
12:55 अप0 – 13:00 अप0	समापन

10 मिनट – रिकैप

5 मिनट प्रशिक्षण सत्र के विषय में उन्मुखीकरण

व्याख्या करें : हमारे प्रशिक्षण के द्वितीय सत्र – विज़न,मिशन,लक्ष्य एवं वैल्यूज में आप सभी का स्वागत है। हमलोग पहले सत्र में शासन प्रणाली के बारे में विस्तृत चर्चा कर अपनी समझ बना चुके हैं।

सम्पूर्ण प्रशिक्षण से सम्बंधित एजेंडा की सामग्री प्रशिक्षनार्थियों को दें।

व्याख्या करें : दूसरा सत्र विज़न,मिशन,लक्ष्य एवं वैल्यूज पर आधारित है। आज हमलोग इसको समझने का प्रयास करेंगे। यह हमलोगों को निम्न रूप में मदद करेगा :–

- किसी कार्यक्रम में विज़न और मिशन महत्ता को जानने में।
- विज़न,मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यूज के अर्थ को समझने में।

- कृषक उत्पादक कंपनी के विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यूज के महत्त्व को समझने में।

पूछें : सत्र शुरू करने से पहले प्रतिभागियों का कोई प्रश्न भी है?

10 मिनट – विज़न पर समझ बनाए।

पूछें : जब हम विज़न कहते हैं तब आप इससे क्या समझते हैं ?
(प्रतिभिगियों के द्वारा कही गयी सभी बातों को अंकित करें)

आइये, इसे उदाहरण के द्वारा समझते है।

उदाहरण : जब किसी घर में ख़ास कर बिहार में, एक लडकी का जन्म होता है तब क्या परिदृश्य होता है ?
जिस क्षण यह कहा जाता है कि लडकी का जन्म हुआ है आप यह सुनेंगे कि वह बैंक मेनेजर या कलेक्टर बनेगी।
इसलिए – इस उदाहरण से हमें यह सीख मिलती है कि हमलोग बिना सोचे समझे 15–25 वर्ष का विज़न तय कर बैठते हैं।

पूछें : यह उदाहरण हमें क्या बताता है ?

उत्तर : सपना सभी देखते हैं चाहे बच्चा, जवान या बूढ़े।
सपना, इन्सान का एक विज़न है और यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है जो हमें यह बताता है कि हमें कहाँ पहुँचाना है।

15 मिनट– रोल प्ले

परिचय दें : एक परिवार पर आधारित रोल प्ले करें जिसमे बच्ची के उदाहरण के साथ हम यह बताये कि कैसे हमलोग विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यूज निर्धारण करते हैं।

15 मिनट– विज़न एव मिशन को समझाना

बतायें : अब तक हमलोग किसी परिवार के विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यू के बारे में थोड़ी समझ बना पाए हैं।

अब इसे कृषक उत्पादक कंपनी के अर्थ मे समझाते हैं।

आइये पूर्णिया, के एक कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) का उदाहरण लें। इसका गठन 2009 में हुआ था। इन दस वर्षों की यात्रा के बाद अब वह इस स्थान पर है। क्या उन्होंने कभी तय किया था कि 5 से 8 वर्ष में कहाँ पहुँच पायेंगे? कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) का अपना कोई विज़न था ? कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) का कोई सपना था ?

अब आप अपने कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) का एक उदाहरण लें। आपका कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) कितना पुराना है ? इस कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) का हिस्सा बनने के पूर्व आपका क्या सपना था। आप पहले से समूह, ग्राम संगठन एवं संकुल संघ (CLF) के सदस्य हैं, लेकिन कुछ विशेष कारण से आपने कृषक उत्पादक कंपनी

(FPC) की सदस्यता ली हैं। आप ऐसा क्यों समझते हैं कि कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) से जुड़कर आप अपना सपना पूरा कर सकते हैं?

दुहरायें : पुन: यह सवाल सबके लिए है कि आपका सपना क्या है ? और आप कहाँ पहुँचना चाहते हैं?

बतायें : इन्सान के लिए सपना देखना जरुरी है तभी वे उसे हकीकत में बदल सकते हैं। इस प्रकार सपना एक विज़न है और इसे पूरा करने का तरीका मिशन है।

यह चित्र बताता है कि भविष्य विज़न है जहाँ हम पहुँचना चाहते हैं और वर्तमान से भविष्य तक कैसे पहुंचेंगे यह मिशन है।

इस चित्र को ध्यान में रखते हुए चर्चा करें :–

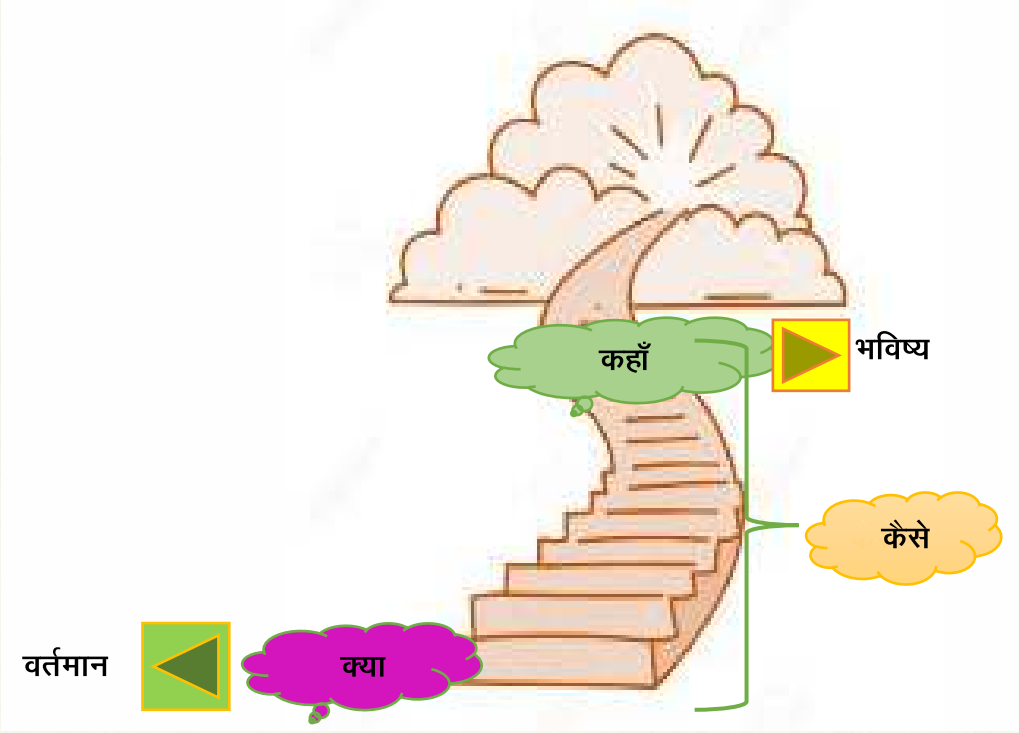

- कहाँ– भविष्य : विज़न
- कैसे– मिशन : विज़न को प्राप्त करने की रणनीति
- क्या : वर्तमान परिस्थिति

निम्न में से किसी एक गतिविधि पर दिमागी कसरत (मंथन) करवाना।

आपने कभी सोचा है कि आप अपने गाँव को आदर्श गाँव के रूप में देखना चाहते हैं। अगर नहीं, तो सोचकर देखें कि अगले 10 वर्षों में अपने गाँव को आप कहाँ देखना

चाहते हैं ? क्या यह संभव है कि आपका गाँव आपके सपनो का गाँव हो? इस सपना को पूरा करने के लिए क्या क्या आवश्यक है ?

व्याख्या कीजिये : सभी चर्चाओं को सुनने के बाद यह बताइये कि सपना देखना क्यूँ जरुरी है? यह हमें मदद करता है यह देखने में कि किस प्रकार से सत्र पूरा किया जा सकता है? उस सपने को हकीकत में जिया जा सकता है। जब तक आप सपना नहीं देखेंगे तब तक यह बहुत मुश्किल है कि आप चाहते क्या हैं और इसे किस प्रकार पूरा किया जा सकता है।

इसलिए, सपना का अर्थ ही विज़न है। आइये, इस चित्र की सहायता से हम विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यूज को समझाने का प्रयास करते हैं।

40 मिनट – विज़न, मिशन, लक्ष्य और वैल्यूज

प्रदर्शन : विज़न, मिशन, लक्ष्य और वैल्यूज की तस्वीर

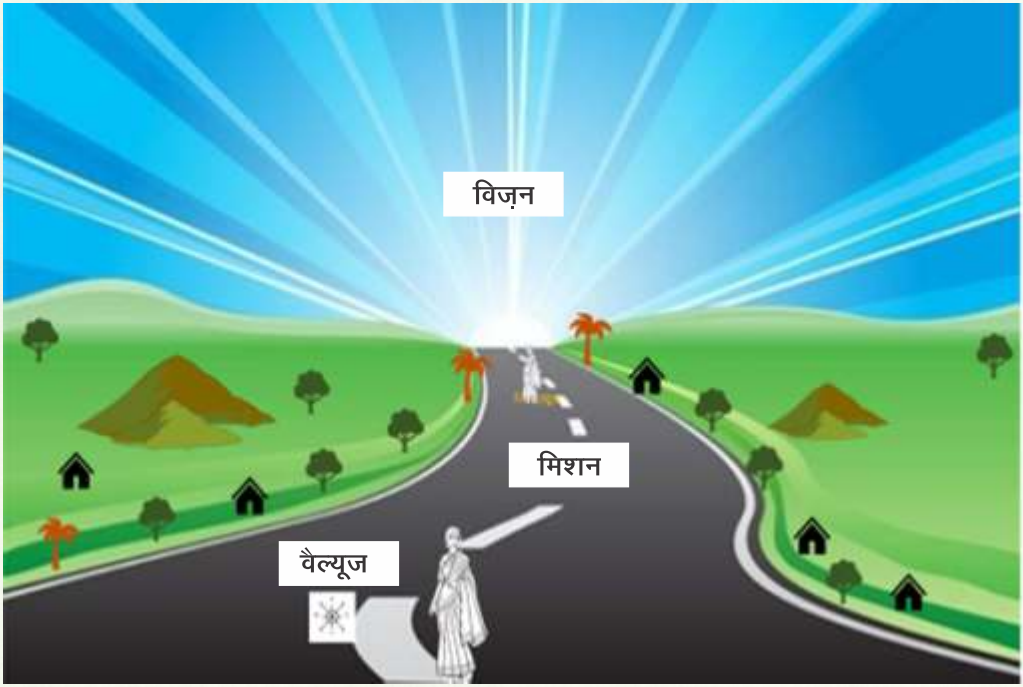

व्याख्या करे :

विज़न	वास्तव में हमलोग कहाँ जा रहे हैं।	इस तस्वीर में दूर का प्रकाश हमारा विज़न है यह प्रकाश हमें प्रोत्साहित करता है कि हम उस दिशा की तरफ बढें। इसलिए विज़न का होना जरूरी है जो हमें यह बताये कि हमें कहाँ जाना है।

मिशन	उसे प्राप्त करने के लिए हम किस प्रकार से आगे बढ़ रहे हैं।	एक बार जब यह निर्धारित हो गया कि प्रकाश किस दिशा से आ रहा है तब यह तय हो जाता है हमें कैसे उस विज़न की ओर बढ़ना चाहिए। इसमें थोडा वक्त लग सकता है परन्तु यह तय है कि हमें कहाँ जाना है। इसलिए सपना को मूर्त रूप देने के लिए जो रास्ता हम चुनते हैं, वही मिशन कहलाता है।
उद्देश्य	उस विज़न को हम क्यों प्राप्त करना चाहते हैं।	यह एक प्रश्नवाचक के समान है कि क्यों हम उस विशेष रास्ते को चुनना चाहते हैं? उस विशेष दिशा में हम क्यों जाना चाहते हैं? जैसे – हम क्यों खाते हैं क्योंकि हमें भूख लगती है। इसलिए उद्देश्य है कि भोजन हो ताकि भूख का अनुभव हाने पर हम खा सकें और हम स्वस्थ रहें।
लक्ष्य	अंतिम विज़न तक पहुँचने के लिए यात्रा में मार्ग चिह्न का होना आवश्यक है।	यह हमलोगों को फीडबैक देता है कि हमलोग सही दिशा में बढ़ रहे हैं कि नहीं? यह विधि के तहत महत्वपूर्ण पड़ाव है न कि अंतिम पड़ाव। उदाहरण :– उत्पादों का संग्रहण (जैसे–मक्का, आलू, लीची) एक स्थान पर हो। संग्रहण हमारा एक लक्ष्य है लेकिन दूसरा लक्ष्य गुणवत्ता कायम रखना है।
वैल्यूज	आप विज़न तक पहुँचने में कौन सा वैल्यू संभाल कर रखते है जैसे आभार, विश्वास,समानता , एकता इत्यादि।	यह एक कम्पास (प्रकाल) की भांति कार्य करता है जो बताता है कि हमारी दिशा सही है या नहीं। पिछले सत्र में हमलोगों ने व्यवहार पर चर्चा किया जो शासन प्रणाली का एक महत्त्वपूर्ण तथ्य है। कृषक उत्पादक कंपनी को मजबूत करने का घटक है। हमारे मूल्यों से ही व्यवहार का निर्माण होता है इसलिए सही मूल्य हमें सही दिशा में ले जाता है।

इसके साथ–साथ जब आप अपने विज़न की प्राप्ति में आधी दूरी तय कर लेंगे तब आप अपने प्रत्येक लक्ष्य की प्राप्ति में कुछ महत्त्वपूर्ण सूचना को दूसरे कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के साथ साझा कर सकते हैं। यह सन्देश ही आपकी सीख है जो दूसरों को अलग तरह से योजना बनाने में मदद करेगी। इसके साथ–साथ उस विशेष लक्ष्य की प्राप्ति में समय भी कम लगेगा।

10 मिनट– कृषक उत्पादक कंपनी (FPC)

पूछें : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) क्या है ?

बताएं : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के प्रत्येक शब्द को बताएं।

किसान : किसान वह व्यक्ति होता है जो कृषि या कृषि से सम्बंधित कार्यों में संलग्न हो।

उत्पादक : कोई व्यक्ति जो किसी भी गतिविधि के द्वारा प्राथमिक तौर पर कुछ उत्पादन करता हो जैसे– मक्का, लीची, सब्जी इत्यादि।

कंपनी : एक वैधानिक संस्था होती है जो व्यापार में संलग्न तथा कंपनी अधिनियम के तहत निबंधित हो। इस कंपनी के सदस्य केवल महिलाएँ ही होती हैं इसलिए इसे महिला कृषक उत्पादक कम्पनी कहा जाता है।

चर्चा करें : वैधानिक एवं निबंधित संस्था जिसका गठन एवं संचालन उत्पादक/उत्पादक समूह द्वारा होता हो, को फार्मर प्रोडूसर कंपनी कहा जाता है। यह किसी एक व्यक्ति का न होकर शेयर धारकों द्वारा बना होता है इसलिए प्रत्येक शेयर धारक को इसमें एक समान बोलने एवं मतदान का अधिकार होता है।

पूछें : आप किसी दूसरे संस्थान या संघ के भी सदस्य हैं ?

उत्तर : आप जिस दूसरे संस्थान या संघ के सदस्य हैं वह है :–

- स्वयं सहायता समूह
- ग्राम संगठन एवं
- संकुल स्तरीय संघ

पूछें : इस संस्थान एवं संघों का क्या उद्देश्य है ?

स्वयं सहायता समूह/ग्राम संगठन एवं संकुल स्तरीय संघ का उद्देश्य एवं लक्ष्य है :–

- बचत की आदतों का विकास
- सदस्यों के बीच आतंरिक ऋण के लेन देन को बढ़ावा देना ताकि जीविकोपार्जन गतिविधि एवं घरेलू जरूरतों की पूर्ति हो सके।
- सदस्यों को सामाजिक मुद्दों पर जागरूक करना, उन्हें संगठित एवं उनका क्षमतावर्धन करना ताकि सामाजिक कुरीतियों को दूर किया जा सके।

10 मिनट – कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की आवश्यकता एवं महत्त्व

पूछें : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की क्या आवश्यकता है ?

उत्तर : लघु एवं सीमांत किसानों के लिए कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) निम्नलिखित बातों का ध्यान रखता है :–

- लघु एवं सीमांत किसानों में अपने उत्पादों को बेचने के लिए मोल–जोल की क्षमता नहीं होती है।
- अपने उत्पाद की सही कीमत लघु एवं सीमांत किसानों को नहीं मिल पाती है।
- लघु एवं सीमांत किसानों को किसी भी सरकारी सुविधा/सूचना/ जानकारी तक पहुँच नहीं होती है।
- उन्हें उचित मूल्य प्राप्त करने के लिए अपने उत्पादों का संग्रह कर रखने की क्षमता नहीं होती है।

- इस प्रकार मूल्य निर्धारण, लागत एवं जानकारी सेवा, मोल–जोल की क्षमता को बढ़ाने, उत्पादन की नई तकनीक तथा उत्पादन के उपरान्त उसके प्रबंधन हेतु कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की आवश्यकता महसूस की गयी।

पूछें : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की क्या महत्ता है ?

उत्तर : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की महत्ता निम्न है :–

- क्रेता एवं बिक्रेता के बीच पारदर्शिता बनाये रखने में।
- सदस्यों के द्वारा उत्पाद को एक स्थान पर संग्रह कर बिक्री कर आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु।
- बाजार से जुड़ाव हेतु एक मंच प्रदान करना।
- सामूहिक मोल जोल की क्षमता का विकास ताकि किसान अपने उत्पाद को सही कीमत पर बेच सके तथा बाजार से अपनी लागत की वस्तू सही दाम में खरीद सके।
- अपने उत्पाद को बेचने के बाद सही समय पर उसकी कीमत पा सके
- कंपनी से लागत उत्पादों को सही कीमत पर खरीद सके।
- वित्तीय सेवाओं तक पहुँच।
- अच्छे कार्य करने से लोगों के बीच विश्वास का सृजन
- कंपनी की हानि और लाभ में शेयरधारकों का साथ
- इसमें सदस्यता एवं स्वामित्व केवल कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) शेयरधारकों के पास होता है।
-

45 मिनट : समूह कार्य

प्रतिभागियों को तीन समूहों में रख कर उन्हें A,B, तथा C समूह में बांटे

बताएं : प्रतिभागी कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) पर उसके 5 से 10 वर्ष की अवधि को ध्यान में रखते हुए निम्लिखित बातों पर चर्चा करें :–

- विज़न
- मिशन
- लक्ष्य
- वैल्यूज

प्रत्येक समूह आपस में अपने समूह सदस्यों के साथ कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के अगले 5 से 10 वर्षों की अवधि में उसके विज़न पर चर्चा करे। इस बात पर चर्चा करे कि किस रास्ते को अपनाकर वे अपने विज़न को हकीकत में बदल सकते हैं। प्रत्येक समूह के द्वारा लक्ष्य का निर्धारण अलग–अलग होगा लेकिन उसे लक्ष्य प्राप्त करने के लिए समूहों को कौनसी रणीनीति अपनानी होगी। सबसे महत्त्वपूर्ण है कि वैल्यूज को संरक्षित रखना है और प्रत्येक समूह को इसे संरक्षित रखने के लिए रणनीति अपनानी

होगी।

पूछें : गतिविधि से सम्बंधित कोई प्रश्न

बताएं : गतिविधि पर चर्चा करते हुए यह जानना है कि विज़न और मिशन के निर्धारण के समय किन किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसकी महत्ता को समझना आवश्यक है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यू अगर निर्धारित कर लिया गया है तब हमारे कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) में अच्छी शासन प्रणाली को स्थापित किया जा सकता है। इस गतिविधि के बाद कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यू का निर्धारण कर इसकी शासन प्रणाली को अलग–अलग मंचों पर चर्चा हेतु प्रस्तुत करना चाहिए।

10 मिनट : टाटा इंटरनेशनल ***

आइये अब हम टाटा इंटरनेशनल का एक उदाहरण लें और उसके विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यू को समझें

विज़न : वर्ष 2025 तक अपने द्वारा चुने गए व्यापार में वैश्विक रूप से महत्वपूर्ण स्थान हासिल करना

मिशन : ग्राहक एवं सेवा प्रदाता के लिए सबसे अधिक विश्वसनीय वैश्विक नेटवर्क स्थापित करना जो अपने उत्पाद के जरिये मूल्य की पूर्ति भी कर सके। अपने सभी शेयरधारकों के लिए जिम्मेदार मूल्य निर्धारक के रूप में पहचान बनाना।

मूल्य :

- अग्रणी : हमलोग साहसिक एवं तीव्र होंगे, चुनौती को लेने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे, ग्राहक के फीडबैक के आधार पर नवीन अनुसन्धान करेंगे।
- अखंडता : हमलोग निष्पक्ष, ईमानदार, पारदर्शी एवं नैतिक रूप से सही आचरण धारण करेंगे। हमलोग जो कुछ भी करेंगे वह जनता के सामने तर्क–वितर्क के लिए उपलब्ध रहेगा।
- उत्कृष्टता : गुणवत्ता के सर्वोच्च स्तर को प्राप्त करने के लिए हमलोग हमेशा उत्साही बने रहेंगे। हमेशा प्रतिभा को आगे बढाते रहेंगे।
- एकता : विश्वास एवं आपसी समझदारी के आधार पर हमलोग अपने शेयर धारकों को हमेशा सीखने तथा अपने में शामिल करने का प्रयास करते रहेंगे।
- जिम्मेबारी : हमलोग भौतिक एवं सामाजिक सिद्धान्त को अपने व्यवसाय में समेकित करेंगे, यह सुनिश्चित करेंगे कि उनसे जो जा रहा है उन्हें उससे ज्यादा प्राप्त हो।

*** Source : https://tatainternational.com/about-us/vision-mission-values/

- **35 मिनट : SWOT (मजबूती, कमजोरी, अवसर, खतरा)**

SWOT विश्लेषण करें जिससे अपने कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के लिए उचित कदम उठाने में मदद मिल सके, उसकी मजबूती तथा उसकी कमजोरी को दूर करने पर कार्य किया जा सके और खतरों से बचा जा सके।

बताएं : SWOT विश्लेषण एक स्थापित प्रक्रिया है। यह आपको अपनी मजबूती को जानने, कमजोरी पहचानने तथा अवसर को जानने में मदद करता है। साथ ही कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) को विज़न की तरफ आगे बढाने पर होने वाले खतरों को बताता है। हमलोग भी इन चीजों को अच्छी तरह से जानने के लिए SWOT एनालिसिस का सहारा लेंगें ताकि कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) अपनी मजबूती को जान पायेगा, कमजोरियों पर काम कर सकेगा और अवसरों का चयन कर उनका लाभ उठा पायेगा एवं खतरों से दूर रहेगा।

पूछें : वैसे प्रतिभागी अपना हाथ उठायें जो इससे पहले SWOT एनालिसिस कर चुके हैं।

पूछें : प्रतिभागी अपना हाथ उठायें जिनका समूह SWOT एनालिसिस से परिचित हैं।

दिखाएँ : पहले से तैयार SWOT कार्य प्रणाली को दिखाएँ

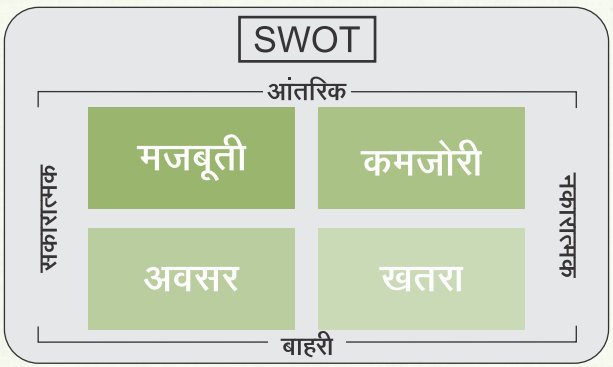

निम्नलिखित को बताएं

- मजबूती : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की विशिष्टताएँ जो उसे दूसरों से अलग करती हैं।
- कमजोरी : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की विशिष्टताएँ जो पिछड़ने के लिए जिम्मेदार हैं।
- अवसर : चिह्नित क्षेत्र में प्रदर्शन बढाने के लिए जरूरी बाहरी बदलाव।
- खतरा : वैसे बाहरी तत्त्व जो अवसर को सीमित कर दे।

मूल्यांकन –

SWOT एनालिसिस तरीका आपके विज़न का मूल्यांकन करेगा तथा व्यापार की शक्ति तथा कमजोरी को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ने बाले अवसर को जानने का मौका देता है।

पूछे : SWOT एनालिसिस से सम्बंधित कोई प्रश्न?

बताएं : अब हमलोग समूह के द्वारा तैयार किये गए विज़न और मिशन को ध्यान में रखते हुए

एक SWOT एनालिसिस करेंगे।

सहज करें : आइये एक समूह बनाकर SWOT एनालिसिस करें। अब तक आप सभी यह जान चुके हैं कि कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की मजबूती के लिए उसके विज़न का होना कैसे और क्यूँ महत्त्वपूर्ण है। आप सभी यह भी समझ चुके होंगे कि विज़न, मिशन, लक्ष्य तथा वैल्यू का क्या महत्त्व है।

अनुमति : 10 मिनट के लिए प्रतिभागियों को अपने कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की मजबूती, कमजोरी, अवसर तथा खतरा के बारे में सोचने का मौका दें.

बताएं : आइये कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) में मजबूती, कमजोरी ,अवसर तथा खतरा को जानने के लिए कुछ उदाहरणों पर चर्चा करें।

मजबूती	कमजोरी	अवसर	खतरा
• विश्वसनीय किसान शेयरधारक आधार • CBO का समर्थन	• पेशेवर प्रबंधक की कमी	• सदस्यता बढ़ाकर व्यवसाय का विस्तार	• बिचौलिया और दलालों से प्रतियोगिता • BoDs द्वारा जवाबदेही

चर्चा करें : जब सभी क्षेत्र पूर्ण हो जाएँ तब यह बताएं कि किस प्रकार SWOT एनालिसिस कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के आगामी वर्षों के लिए एक सम्पूर्ण चित्र उपलब्ध करता है।

10 मिनट : संक्षेपण तथा पुनरावलोकन

5 मिनट : समापन

निर्देश दें : प्रतिभिगियों को प्रश्न पूछने तथा इस प्रशिक्षण से उम्मीद के बारे में पूछें।

पूछें : क्या किसी के पास आज तक के सत्र से सम्बंधित कोई प्रश्न भी हैं।
आने वाले प्रश्नों का उत्तर दें।

बताएं : प्रशिक्षण में उपयोग में लाई गयी सामग्री को अपने साथ ले जाएँ जो आपको मदद करेगा।

- FPC को मजबूती प्रदान करने में आज की सीख एवं समझ का उपयोग करें।
- अगले सत्र में जाने के लिए इस स्ट्रा से मिली जानकारी को इकठ्ठा करें।
- प्रशिक्षण के दूसरे दिन की व्यवस्था पर नजर दुहराएँ तथा निम्नलिखित को सुनिश्चित करें:
  - यह कहाँ संपन्न हुआ।
  - कब यह शुरू होगा।
  - आप किन अध्यायों को बतायें सहजकर्ता कौन होगा।
  - उन्हें पूर्व में क्या तैयारी करनी होगी।

सत्र 3 – नेतृत्व

तीसरा दिन : नेतृत्व

कुल अवधि : 3 घंटा

सीान : वर्गकक्ष

सामग्री

1	बोर्ड	10	रंगीन कागज
1 रोल	मास्किंग टेप	थोड़ा सा	कंकड़, चीनी, पानी, गीली मिट्टी
1 डब्बा	मार्कर पेन	20	आँख पर बाँधने वाली पट्टी
1 डब्बा	पेन	20	प्लास्टिक कप
4	गिलास	1	प्रशिक्षक मार्गदर्शिका

मुद्दें

अवधि	विषय
10.00 पूर्वा0 – 10.10 पूर्वा0	स्वागत एवं पिछले सत्र का पुनरावलोकन
10.10 पूर्वा0 – 10.30 पूर्वा0	उदाहरण के साथ नेतृत्व की समझ
10.30 पूर्वा0 – 11.15 पूर्वा0	आँखों पर पट्टी बाँध कर चलने वाला खेल
11.15 पूर्वा0 – 12.15 अप0	सुरंग वाला खेल
12.15 अप0 – 12.40 अप0	नेतृत्व का तरीका
12.40 अप0 – 12.50 अप0	संक्षेपण एवं पुनरावलोकन
12.50 अप0 – 13.00 अप0	समापन

10 मिनट – पिछले प्रशिक्षण सत्र में बताये गए विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यू पर पुनरावलोकन एवं चर्चा।

4 मिनट – प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य एवं तरीका के बारे में जानकारी

व्याख्या करें : प्रशिक्षण के तीसरे दिन नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में आप सभी का स्वागत है।

हैण्डआउट : सम्पूर्ण प्रशिक्षण से सम्बंधित एजेंडा

बताएं : आज हमलोग नेतृत्व पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। हमलोग नेतृत्व की गुणवत्ता एवं शैली को समझेंगे। यह आपको निम्नलिखित में सहायता करेगा :–

- नेता के अर्थ को समझने में।
- नेता एवं नेतृत्व के अर्थ और उसके महत्त्व को समझने में। यह वास्तविक जीवन में किस प्रकार काम करता है इसे खेल के द्वारा समझने का प्रयास करेंगे।
- नेता के गुण के बारे में जानेंगे।
- नेतृत्व के अलग–अलग तरीकों को जानेंगे

पूछें : इससे पहले कि हम सत्र शुरू करें, किन्ही को कोई सवाल भी है ?

15 मिनट : नेतृत्व को समझाना

पूछें : आपने कभी किसी महिला का नाम सुना है जिसने आपको प्रभावित किया हो ?
सभी नाम को बोर्ड पर नोट करें

दिखाएँ : रानी लक्ष्मी बाई का चित्र दिखाएँ।

अब – क्या आप पहचान सकते हैं कि यह किनका चित्र है ? ये कौन हैं? आपने कभी इनके बारें में सुना है ?

उत्तर : यह चित्र रानी लक्ष्मीबाई या झांसी की रानी की है। आइये इनके बारे में जानते हैं।

- अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ प्रथम युद्ध में वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की नेता थी।
- उनकी उपस्थिति एवं बात लोगों को अंग्रेजों के खिलाफ खड़े होने में सशक्त करती थी।
- उसने झांसी के राज्य को देने तथा आत्मसमर्पण करने से मना कर दिया था। इस बात ने लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत का काम किया और उनके नेतृत्व में लोगों ने अंग्रेजों से लोहा लिया।
- उनके प्रभाव ने दूसरों को जोखिम उठाने हेतु प्रोत्साहित किया।
- अपनी मजबूत इच्छाशक्ति एवं बहादुरी के बल पर उन्होंने अपने आप को योद्धा के रूप में स्थापित किया।

अब तक हमलोग यह जान पाए कि नेता किसे कहा जाता है और उनके क्या गुण होते हैं। आइये उनके गुण को और समझते हैं :–

- सुरक्षित अनुभव कराने वाला
- प्रोत्साहित करने वाला
- जोखिम उठाने की क्षमता बढ़ाने वाला

- प्रभावित करने वाला
- प्रेरित करने वाला
- मजबूत इच्छाशक्ति प्रदान करने वाला
- बहादुर एवं सशक्त होता है।

45 मिनट – आँख पर पट्टी बांधकर चलने वाला खेल

प्रशिक्षक को सुरक्षित स्थान का चयन प्रशिक्षण से पूर्व कर लेना चाहिए।

सहज करें : आइये एक खेल खेलें जिसका नाम है– आँख पर पट्टी बांधकर चलने वाला खेल।

(सामग्री – आँख की पट्टी, चार्ट पेपर, मार्कर)

समझाएं : इस खेल का नियम निम्न प्रकार से है :–

- लोगों को दो समूह में बाँट दें। प्रत्येक समूह में इसे 5 – 12 प्रतिभागी होंगे (संख्या के आधार पर प्रतिभागियों की संख्या समूह में बढ़ायी जाएगी)।
- समूह को सीधी लाइन में खड़ा करें।
- सबसे अगले प्रतिभागी को छोड़कर सभी के आँखों पर पट्टी बाँध दें।
- सामने वाले प्रतिभागी लाइन का नेतृत्व करेंगे और नेता कहलायेंगे।

नेता के लिए नियम –

- अपनी टीम की सुरक्षा के लिए स्वयं जिम्मेदार व्यक्ति
- सीढ़ियों, दरवाजों आदि के पास विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता
- नेता को बोलने की अनुमति नहीं है और उन्हें ध्यान देना है कि उनके टीम का कोई भी सदस्य कुछ न बोले।
- अपनी टीम को अंतिम पड़ाव तक नेतृत्व करें।
- टीम को बताएं कि यह आँख पर पट्टी बांधकर चलने वाला खेल है।
- खेल शुरू करने के पहले दो मिनट का समय लें।

अब 20 मिनट का समय निर्धारित करें। दोनों समूहों की आँखों पर पट्टी बांधकर चलने वाला खेल शुरू करें एवं खेल का निरीक्षण करें। 20 मिनट की समाप्ति के बाद दोनों समूहों को रोककर उन्हें अपने स्थान पर खड़े होकर पट्टी हटाने को कहें। अब समूह को अपना अनुभव साझा करने को कहें और उनसे कुछ सवाल करें जैसे :–

1. एक नेता का टीम की पूरी तरह जिम्मेदारी लेने का अनुभव कैसा था?
2. इस खेल का क्या उद्देश्य था?
3. नेता का आँख पर पट्टी बंधे टीम पर विश्वास करना कठिन था ?
4. आँख पर पट्टी बंधे लोगों के लिए नेता पर विश्वास करना कठिन था ?
5. अपने खेल शुरू करने के पहले उस 2 मिनट का उपयोग कैसे किया ? क्या यह महत्त्वपूर्ण

था? अगर हाँ तब कैसे और नहीं तो क्यों ?

6. क्या होता जब आप सभी की आँखों पर पट्टी नहीं बंधी होती? क्या इससे आपको मदद मिलती?

(प्रतिभागियों की सभी बातों को नोट करें)

सीख/विचार :

- विश्वास
- संचार (Communication)
- नेतृत्व
- ध्यान रखना
- चुनौती एवं जोखिम उठाना
- जिम्मेदार
- पूरी टीम अपने नेता पर आश्रित था कि किस प्रकार उसे ले जाया जा रहा है।
- टीम निर्माण

60 मिनट – सुरंग का खेल

प्रशिक्षक को सभी प्रतिभागियों को सुरक्षित स्थान की तरफ ले जाना चाहिए

सहज करें – आइये सुरंग वाला एक खेल खेलें।

(सामग्री– आँख पर बाँधने वाला पट्टी, प्लास्टिक कप, रंगीन कागज, बोर्ड एवं मार्कर)

तैयारी : खाली बोतल, कप, कागज़ के चौकोर टुकड़े को मिलाकर इस छोर से लेकर उस छोर तक एक सुरंग क्षेत्र का निर्माण करें।

समझाएं : इस खेल का नियम निम्न प्रकार से है :–

- लोगों को दो समूह में बाँट दें। प्रत्येक समूह में 2 प्रतिभागी होंगे (संख्या के आधार पर प्रतिभागियों की संख्या समूह में बढ़ायी जाएगी)।
- दो में से एक प्रतिभागी की आँख पर पट्टी बंधां होगा और वह बात नहीं कर सकता है।
- दूसरा प्रतिभागी देख एवं बोल सकता है लेकिन वह सुरंग क्षेत्र में न तो घुस सकता है न ही दूसरे प्रतिभागी को छू सकता है।
- आँख पर पट्टी बंधे प्रतिभागी को एक छोर से दूसरे छोर तक जाना है लेकिन सुरंग का ध्यान रखते हुए। इस कार्य में वह दूसरे प्रतिभागी के मार्गदर्शन को ध्यान में रखकर कार्य करेंगे।
- दो समूहों के प्रतिभागी जिनकी आँख पर पट्टी बंधा है, अगर किसी भी चीज से टकराते है तब उनका अंक कम कर दिया जायेगा। सुरंग क्षेत्र में रखी प्रत्येक चीज अपने जोखिम के आधार पर प्रतिभागियों के अंक काटने के लिए मानी जायेगी।
- सभी जोड़े एक साथ इस खेल को शुरू करेंगे

सहजकर्त्ता के लिए नोट।

- सुनिश्चित करें कि टकराव न हो। लोगों को अलग रखने में मदद करने के लिए चारों ओर चलो।
- सावधान रहें कि आंखों पर पट्टी बांधे लोग एक–दूसरे से ना टकरा जाए
- अधिक वस्तुओं का परिचय दें या बहुत आसान या बहुत कठिन प्रतीत होने पर वस्तुओं को हटा दें।
- उन्हें संचार रणनीति हेतु योजना और तैयारी के लिए 3 मिनट का समय दें

अब 20 मिनट का समय निर्धारित करें। एक बार जब आँख पर पट्टी बंध जाए और सभी प्रतिभागी तैयार हो जायें तब खेल शुरू करने का निर्देश देना चाहिए। 20 मिनट के खेल के बाद उनको रुकने को कहना चाहिए। जब समूह सफलतापूर्वक दूसरी तरफ पहुँच जाएँ तब इस खेल को उसी समूह के दुसरे प्रतिभागी के साथ शुरू करें।

सीख :

- संचार (Communication)
- निर्णय क्षमता
- जोखिम उठाने की हिम्मत
- सुरक्षा
- विश्वास

प्रश्न एवं उसका उत्तर

- वह कौन था जो मार्गदर्शन दे रहा था ?
  उत्तर – नेता
- आँख पर पट्टी बंधा प्रतिभागी अपने नेता पर कितना आश्रित था ?
  उत्तर– पूरी तरह से , क्योंकि वह खतरे से अनजान था/थी।
- नेता द्वारा दिए जा रहे निर्देश को समझना क्या कठिन था?
  उत्तर – यह नेता के संचार के तरीकों पर निर्भर कर रहा था और अलग अलग नेता का संचार का तरीका अलग अलग होता है।
- क्या नेता के लिए यह निराश करने वाली स्थिति थी जब उसके प्रतिभागी गलत दिशा में जाते थे ? जब कि ऐसा नहीं करने के लिए आप बहुत प्रयास कर रहे थे।
  उत्तर– यह इस बात पर निर्भर था कि हमने क्या रणनीति अपनाई तथा उनकी टीम की सुरक्षा एवं उन पर विश्वास।

तीन टीम के पास तीन अलग अलग नेता थे और सबकी अपनी–अपनी रणनीति तथा संचार के तरीके थे। इसलिए परिस्थिति के आधार पर नेता अपनी टीम का नेतृत्व करता है। प्रत्येक का अपना तरीका होता है। सभी अलग तरह के नेतृत्व का तरीका अपना रहे थे।

25 मिनट : नेतृत्व का तरीका

(सामग्री – चार गिलास, कंकड़, चीनी, पानी, गीली मिट्टी, चार्ट पेपर एवं मार्कर)

सहज करें : नेतृत्व के अलग अलग तरीकों को जानने के लिए हमलोग एक खेल खेलेंगे।

किसी चार प्रतिभागी को अपने स्वेच्छा से बुलाएँ और कहें कि टेबल पर चार गिलास में आधा पानी रखने को कहें। उसके बाद निम्न कार्य करने को कहे :–

- पहला व्यक्ति पहले ग्लास में कंकड़ डालेगा
- दूसरा व्यक्ति दूसरे गिलास में थोड़ा पानी डालेगा
- तीसरा व्यक्ति तीसरे गिलास में थोड़ा गीली मिटटी डालेगा
- चौथा व्यक्ति चौथे गिलास में चीनी डालेगा

पूछें : उन सभी चार ग्लास के पानी में क्या परिवर्तन आया ?

संभावित उत्तर :–

✓ पहला गिलास के पानी में उपस्थित कंकड़ निरंकुश नेता की पहचान है।

- यह पानी में मिल नहीं पाता और सभी पर हावी हो जाता है।
- ऐसे लोग अपने टीम के सभी सदस्यों पर दबदबा बनाकर रखते हैं। ऐसे नेता किसी निर्णय लेने में न किसी को शामिल करते है और न किसी की सलाह लेते हैं।

✓ दूसरे गिलास के पानी में पानी को मिलाया गया जिससे उसमे कोई प्रभाव नहीं पड़ा

- यह अप्रभावी नेता का परिचय है।

✓ तीसरे ग्लास के पानी में गीली मिटटी मिलाने से पानी गन्दा हो गया

- उसी प्रकार कुछ नेता अपने संस्थान, समूह या संगठन, या FPC को गन्दा कर देते हैं।

✓ चीनी मिलाने से चौथे गिलास का पानी मीठा हो गया

- एक अच्छे नेता को इस प्रकार का होना चाहिए जो अपने समूह के सदस्यों के लिए चीजों को मीठा एवं अच्छा बनाने वाला।

10 मिनट – संक्षेपण एवं पुनरावलोकन

10 मिनट – समापन

पूछें : क्या किसी को अब तक के प्रशिक्षण में बताई गए बातों को लेकर कोई सवाल है? कोई सवाल आये तो उसका जवाब दें

अगले चरण को बताएं

- प्रशिक्षण में उपयोग में लाई गयी सामग्री को अपने साथ ले जाएँ
- संसाधन के तौर पर आपके द्वारा यहाँ जो भी कार्य किया गया है उसे सुरक्षित रखें और जरूरत पड़ने पर अपनी टीम के सदस्यों को बताएं
- अपने साथी के साथ इस पूरे प्रशिक्षण को दुहरायें तथा अपने प्रबंधन दल का निर्माण करने में इसका उपयोग करें
- इस सत्र से मिली सीख को आधार बनाकर अगले सत्र में जाने की तैयारी करें

सत्र 4 – शासन प्रणाली की संरचना

चतुर्थ दिवस

शासन प्रणाली की संरचना

कुल अवधि – 3 घंटे

स्थान – कक्षा

सामग्री

1 पैड	फ्लिपचार्ट	2	क्विज़ कार्ड
1 रोल	मास्किंग टेप	1	फ्लेक्स (शासन संरचना)
1 डब्बा	मार्कर पेन		
1 डब्बा	पेन		
1	प्रशिक्षक मार्गदर्शिका		

मुद्दें

अवधि	विषय
10.00 पूर्वा0 – 10.10 पूर्वा0	स्वागत एवं पिछले सत्र का पुनरावलोकन
10.10 पूर्वा0 – 10.30 पूर्वा0	कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) में शासन प्रणाली की संरचना पर चर्चा
10.30 पूर्वा0 – 11.00 पूर्वा0	निदेशक मंडल (BoD) पर चर्चा
11.00 पूर्वा0 – 11.30 पूर्वा0	उत्पादक समूह प्रबंधन समिति पर चर्चा
11.30 पूर्वा0 – 11.50 पूर्वा0	कार्यकारिणी समिति पर चर्चा
11.50 पूर्वा0 – 12.10 अप0	सामान्य निकाय प्रतिनिधि पर चर्चा
12.10 अप0 – 12.40 अप0	कृषक उत्पादक कंपनी (FPC)के शेयरधारक पर चर्चा
12.40 अप0 – 12.50 अप0	संक्षेपण एवं पुनरावलोकन
12.50 अप0 – 13.00 अप0	समापन

10 मिनट – स्वागत एवं पुनरावलोकन

- पिछले सत्र का पुनरावलोकन एवं परिचर्चा
- प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य एवं तरीकों की जानकारी।

बताएं : शासन प्रणाली की संरचना विषय पर आधारित इस प्रशिक्षण सत्र में आप सभी का स्वागत है। अभी तक के प्रशिक्षण सत्र में हमलोगों ने तीन सत्र पूरे किए हैं जो निम्न हैं:–

- शासन प्रणाली
- विज़न, मिशन, लक्ष्य एवं वैल्यू

- नेतृत्व

प्रशिक्षण से सम्बंधित एजेंडा की सामग्री प्रतिभागियों को प्रदान करें

बताएं : चतुर्थ दिवस का सत्र शासन प्रणाली की संरचना पर केन्द्रित है। आज हमलोग शासन प्रणाली की संरचना के विभिन मंच तथा शेयर धारकों के बारे में जानेंगे। इससे आप निम्न को जानने में सहायता मिलेगी :–

- कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के विभिन्न संरचना को जानने तथा समझने में
- शेयरधारकों के महत्त्व को समझने तथा शेयरधारक बनने के तरीका जानने में
- कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के तहत विभिन्न मंच के पहचान के मापदंड, बैठक तथा अलग अलग स्तर की जिम्मेदारी को समझने में

पूछें : इससे पहले कि हमलोग आगे बढ़ें, किसी प्रतिभागी का कोई प्रश्न हो तो बताइए?

10 मिनट : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के शासन प्रणाली की संरचना

अब तक हमलोगों ने कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के बारे में समझा है।

पूछें : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के बारे में आपकी क्या समझ एवं अनुभव है ?

बताएं : कुछ विचारों को साझा करें जैसे :–

- इसमें बैठक का केवल एक ही मंच उपलब्ध जहाँ वार्षिक आम सभा में सभी शेयरधारक एक स्थान पर बैठक में भाग लेते हैं।
- कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के बारे में शेयरधारकों के बीच जानकारी का अभाव होता है।

पूछें : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) को किस प्रकार मजबूत किया जा सकता है ?

उत्तर : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) को इस प्रकार मजबूत बनाया जा सकता है :–

- शेयरधारकों का गाँव, प्रखंड एवं जिला स्तर पर नियमित बैठक होना।
- कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के सभी शेयर धारकों के बीच सूचना का नियमित प्रवाह।
- अधिक संख्या में नेताओं को विकसित करना

अब – नेताओं को प्रशिक्षित नहीं वल्कि विकसित करने की आवश्यकता है और यह केवल तब हो सकता है जब अधिक संख्या में शेयरधारक अपने विज़न तक पहुँचने के लिए कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की गतिविधियों में शामिल होंगे।

आइये, इसे कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की वर्तमान संरचना के आधार पर समझते हैं।

10 मिनट : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के शासन प्रणाली की वर्तमान संरचना

बताएं : फ्लेक्स की सहायता से कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की शासन प्रणाली की संरचना को बताएं। नीचे के चित्र के जैसा फ्लेक्स दिखाई देगा।

फोटो :

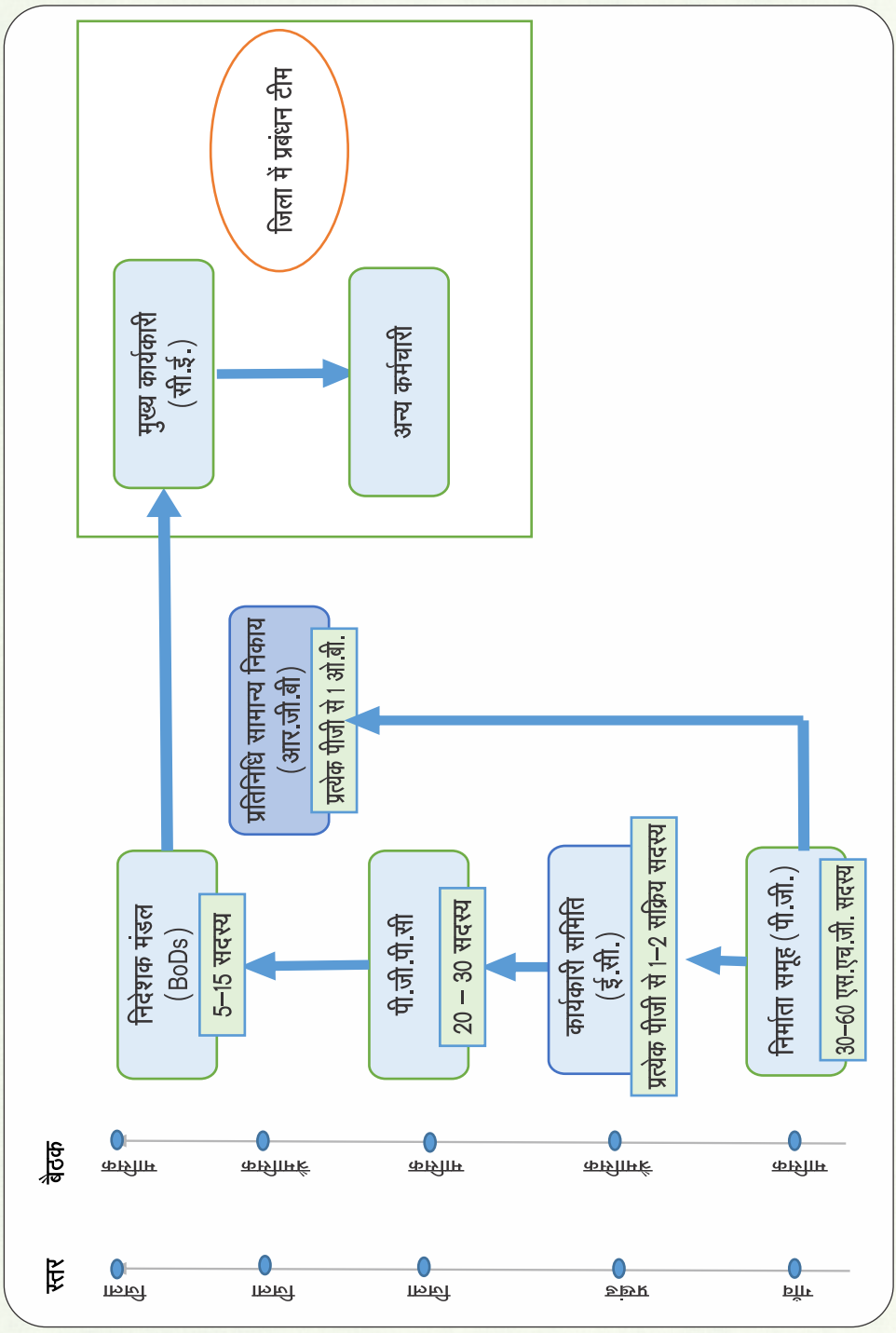

जिला में प्रबंधन टीम
मुख्य कार्यकारी (सी.ई.)
अन्य कर्मचारी
प्रतिनिधि सामान्य निकाय (आर.जी.बी)
प्रत्येक पीजी से 1 ओ.बी.
निदेशक मंडल (BoDs)
5–15 सदस्य
पी.जी.पी.सी
20 – 30 सदस्य
कार्यकारी समिति (ई.सी.)
प्रत्येक पीजी से 1–2 सक्रिय सदस्य
निर्माता समूह (पी.जी.)
30–60 एस.एच.जी. सदस्य
बैठक
मासिक
त्रैमासिक
मासिक
त्रैमासिक
मासिक
स्तर
जिला
जिला
जिला
ब्लॉक
गांव

बताएं : एक– एक कर प्रत्येक स्तर की समिति तथा इसके चुनाव के मापदंड को बताएं।

20 मिनट – निदेशक मंडल (BoD) पर चर्चा

पूछें : इस संरचना में निदेशक मंडल कौन हैं और उनका स्थान इस संरचना में कहाँ है ?

उत्तर : शेयरधारकों द्वारा चुने गए ऐसे प्रतिनिधि जो कंपनी का नेतृत्व करते हैं, वे निदेशक मंडल होते हैं। निदेशक मंडल, कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की प्रणाली को नियंत्रित करता है एवं उसकी गतिविधि को आसान बनाता है।

आगे : निदेशक मंडल की क्या संख्या होनी चाहिए तथा उसका कार्यकाल कितना होना चाहिए ?

उत्तर : निदेशक मंडल की संख्या –

- कम से कम – 5 तथा उससे कम नहीं
- ज्यादा से ज्यादा – 15 तथा उससे ज्यादा नहीं

कार्यकाल
1 वर्ष से कम नहीं
5 वर्ष से अधिक नहीं

अब दिखाएँ :– चित्र के माध्यम से इस विषय को समझते हैं।
: नीचे के चित्र को दिखाएँ

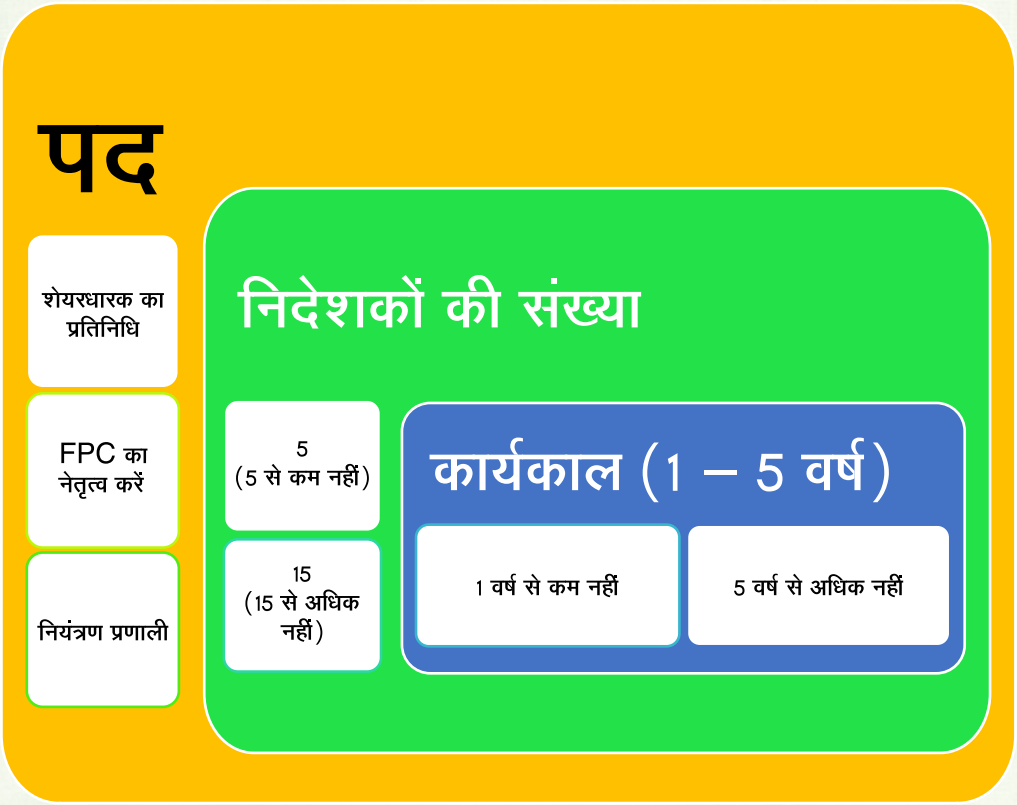

इस चित्र के सहारे सभी चर्चाओं को एक ही फ्रेम के तहत दिखाया जा सकता है.

अब : निदेशक मंडल को नियमित रूप से कैसे और कहाँ मिलना चाहिए ?

उत्तर :

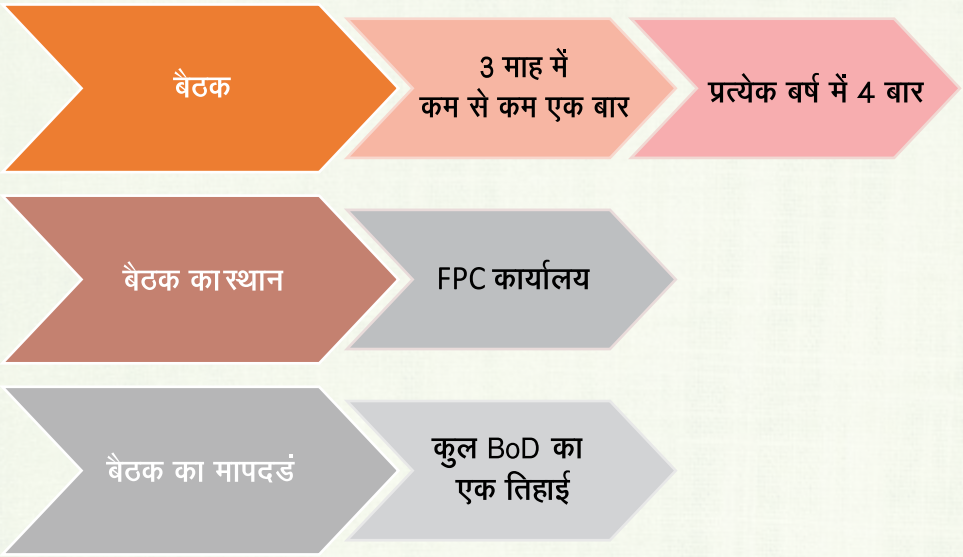

10 मिनट : निदेशक मंडल की जवाबदेही एवं जिम्मेदारी

पूछें : निदेशक मंडल की जवाबदेही एवं जिम्मेदारी किस चीज के लिए ?

उत्तर : आइये, नीचे टेबल के आधार पर इसे समझने का प्रयास करें

जवाबदेही/ अधिकार	जिम्मेवारी
संगठनात्मक नीति, रणनीति तथा वित्तीय योजना का निर्माण	नए शेयरधारक का जुड़ाव
बजट तथा पेट्रोनेज बोनस की स्वीकृति	पिछले वर्ष का वार्षिक रिपोर्ट एवं वित्तीय विवरणी की प्रस्तुति, आगामी वार्षिक योजना तथा वित्त एवं स्वीकृति।
व्यावसायिक योजना निर्माण	कर्मियों तथा कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की गतिविधियों की मासिक समीक्षा

निदेशक मंडल को सभी बैठकों जैसे आम सभा या आवश्यकता के आधार पर किसी विशेष कार्य के लिए आयोजित बैठक में हिस्सा लेना अनिवार्य है।

इन सभी के लिए बैठक में प्रस्ताव की स्वीकृति अनिवार्य है।

30 मिनट :– उत्पादक समूह प्रबंधन समिति (PCMC)

बताएं : शासन प्रणाली में उत्पादक समूह प्रबंधन समिति (PCMC) दूसरे स्थान का मंच है

जो जिला स्तर पर कार्यरत होता है। यह 20 से 30 सदस्यों से मिलकर बनता है जिसमें–

- मुख्य कार्यपालक (CE) तथा प्रबंधक आजीविका (Mgr LH) इसके सदस्य होते हैं।
- कार्यकारिणी समिति से कम से कम 18 तथा अधिक से अधिक 28 सदस्य होते हैं।
- प्रत्येक सदस्य अलग–अलग उत्पादक समूह का प्रतिनिधित्व करता है।

पहचान के मापदंड :–

- सदस्य को निश्चित रूप से शेयरधारक होना चाहिए
- सदस्य को कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के साथ निश्चित ही व्यावसाय किया हुआ होना चाहिए
- सदस्यों द्वारा किसानों को कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के साथ व्यापार करने के लिए जागरूक किया गया हो।
- सदस्य को कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की व्यावसायिक गतिविधि का निश्चित ही ज्ञान होना चाहिए
- सदस्य को इतना योग्य होना चाहिए कि वह अपने उत्पादक समूह से जुड़े मुद्दों को इस मंच पर रख सके।
- सदस्य को लिखना तथा पढ़ना आना चाहिए।
- सदस्य का व्यवहार अपने समूह, ग्राम संगठन तथा संकुल संघ के साथ अच्छा होना चाहिए।
- क्षेत्रवार प्रतिनिधित्व होना चाहिए

बताएं : उत्पादक समूह प्रबंधन समिति (PCMC) की भूमिका तथा जिम्मेदारी निम्न है :–

- कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के व्यवसाय से सम्बंधित उत्पादक समूह के कार्यों पर चर्चा (कार्यकारिणी समिति (EC) के प्रखंड वार प्रगति से सम्बंधित विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर)
- कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की मासिक व्यापारिक प्रगति पर चर्चा
- कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) की अगले माह की व्यावसायिक गतिविधि से सम्बंधित योजना का निर्माण
- PCMC के मासिक बैठकों में लिए गए निर्णय को अपने उत्पादक समूह में चर्चा करना
- अपने उत्पादक समूह या कार्यकारिणी समिति में मुख्य भूमिका में होना

7 मिनट – निधि

- PCMC के मासिक बैठक का खर्च कम्पनी का खर्च होगा
- कोई भी क्षेत्र भ्रमण या प्रशिक्षण जिला परियोजना समन्वयन इकाई के द्वारा परियोजना में निर्धारित मापदंड के आधार पर किया जायेगा
- कंपनी द्वारा इसके सदस्यों को स्थानीय बैठकों में भाग लेने के लिए होने वाले खर्चे का वहन किया जायेगा

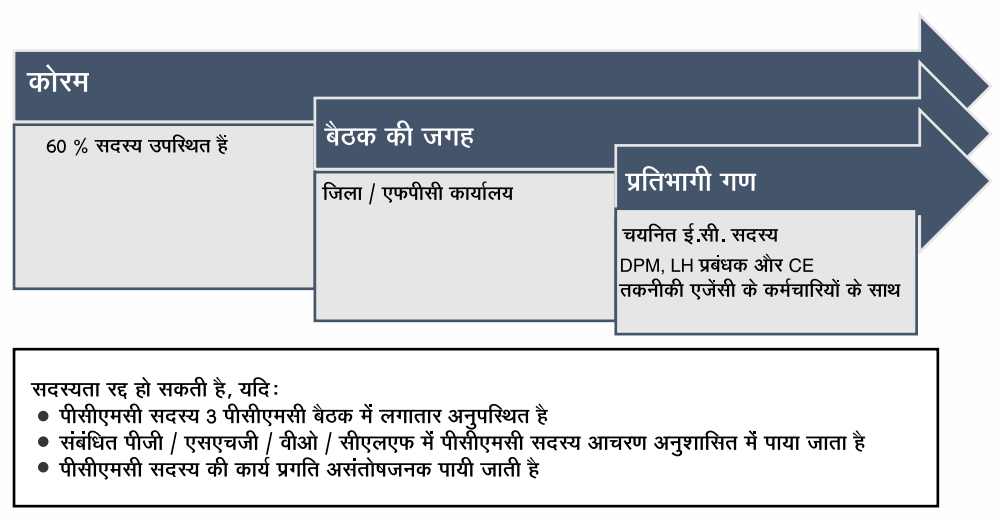

20 मिनट :– कार्यकारिणी समिति

बताएं : कार्यकारिणी समिति शासन प्रणाली में प्रखंड स्तर पर पहली संरचना है.

सदस्यों की संख्या : प्रत्येक उत्पादक समूह से 1 – 2 सक्रिय सदस्य (कार्यालय संचालिका को मिलाकर)

पहचान का मापदंड :

- सदस्य को निश्चित ही कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) का शेयरधारक होना चाहिए
- सदस्य के द्वारा अपने उत्पाद को कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) में 1 – 2 बार बेचा गया हो
- प्रखंड स्तर पर प्रतिनिधित्व के लिए सदस्य को अपने उत्पादक समूह से स्वीकृति प्रदान की गयी हो
- दो सदस्य अलग–अलग टोले से होनी चाहिए जिस उत्पादक समूह से कार्यालय संचालक चयनित नहीं हुए हों

वैसे उत्पादक समूह की, जहाँ अभी कोई भी व्यावसाय आरम्भ नहीं हुआ है, उत्पादक समूह के गठन के तीन माह बाद निम्नलिखित मापदंड के आधार पर पहचान की जानी चाहिए :–

- सदस्य को निश्चित रूप से कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) का शेयरधारक होना चाहिए
- उत्पादक समूह की बैठकों में सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाले सदस्य को वरीयता देनी चाहिए ५

बताएं : कार्यकारिणी समिति की भूमिका एवं जिम्मेदारी निम्न है :–

- निर्धारित तिथि पर उत्पादक समूह की बैठक के आयोजन का प्रयास
- उत्पादक समूह के सदस्यों को बैठक में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना
- सदस्यों को कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के शेयरधारक बनने के लिए प्रोत्साहित करना
- कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के साथ व्यावसाय करने के लिए सदस्यों को प्रोत्साहित करना
- उत्पादक समूह के स्तर पर लेखांकन की पुस्तिका का संधारण एवं इसका

नियमितीकरण

- उत्पादक समूह के सदस्यों का बचत खाता खोलने के लिए सहायता उपलब्ध करवाना
- कार्यकारिणी समिति की बैठक/ प्रशिक्षण में की गयी चर्चा की उत्पादक समूह की बैठकों में पून : चर्चा सुनिश्चित करना
- उत्पादक समूह के ससमय उत्पादन एवं व्यावसायिक योजना के निर्माण को सुनिश्चित करना

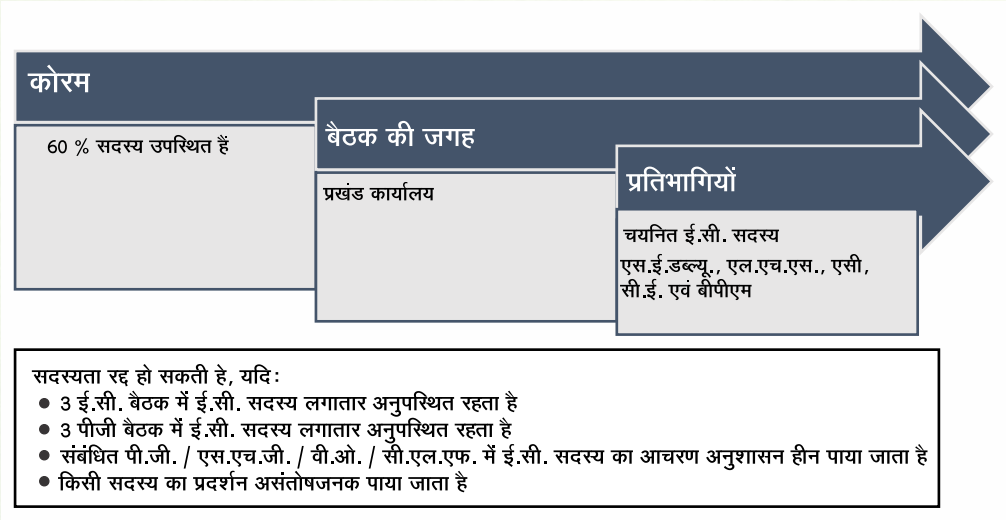

20 मिनट : सामान्य निकाय प्रतिनिधि मंडल

बताएं : सामान्य निकाय प्रतिनिधि मंडल, शासन प्रणाली में तीसरी इकाई है जो जिला स्तर पर कार्य करती है।

पहचान के मापदंड : उत्पादक समूह के स्तर पर कार्यालय संचालिका के तीन सदस्यों में से प्रत्येक उत्पादक समूह का एक चयनित सदस्य जिला स्तर पर सामान्य निकाय प्रतिनिधि मंडल का प्रतिनिधित्व करेंगे। (अगर कोई OB सदस्य पहले ही EC का हिस्सा है तब उसका RGB हेतु चयन नहीं किया जा सकता)

बैठक

- जिला स्तर पर त्रैमासिक रूप से बैठक आयोजित की जायेगी जिसमें DPM, LH मेनेजर, CE, BPM, YP – फार्म, LHS तथा तकनीकी एजेंसी के प्रतिनिधि भाग लेंगें
- CE के द्वारा एफपीसी का त्रैमासिक स्तर पर प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जायेगा
- जब तक 60 प्रतिशत सदस्यों की उपस्थिति नहीं होगी तब तक बैठक का आयोजन नहीं होगा। RGB पर होनेवाला खर्च कम्पनी के लेखा से होगा।

35 मिनट :– कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) का शेयरधारक

पूछें : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के शेयरधारक से सम्बंधित प्रश्न

- शुरुआत में कम्पनी निबंधन कराने के लिए राशि की व्यवस्था कहाँ से करेगी?
- शेयरधारक शब्द से आप क्या समझते हैं ?
- कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) का हिस्सा बनने के लिए कौन योग्य होते हैं ?
- कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) का शेयरधारक बनने की प्रक्रिया क्या है ?

पूछें : शुरुआत में कम्पनी निबंधन कराने के लिए राशि की व्यवस्था कहाँ से करेगी?

बताएं : शुरुआत में कम्पनी अपने सदस्यों में शेयर बेचकर निधि का प्रबंध करती है यह अंश पूंजी कहलाती है।

पूछें : शेयरधारक शब्द से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर : कोई भी कृषि उत्पादक (किसान) जो उत्पादक कम्पनी से शेयर खरीदे, शेयरधारक होता है।

पूछें : कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) के शेयरधारक बनने के योग्य कौन होते हैं ?

बताये : उत्पादक समूह की सदस्यता ग्रहण की हुई समूह की कोई भी दीदी, जो किसी न किसी कृषि उत्पादन से जुडी हो तथा जिसका आशय उत्पादक कम्पनी की गतिविधि से मेल खाता हो, उत्पादक कम्पनी का सदस्य बन सकती है।

नीचे दिए गए चित्र को दिखाये

अपने प्राथमिक उत्पाद के साथ सभी किसान कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) का शेयरधारक हो सकता है और उसे कृषक उत्पादक कंपनी (FPC) से लाभ मिल सकता है।

पूछें : कौन एफ.पी.सी. का शेयरधारक बन सकता है? उन्हें कैसे पता चलेगा कि वे शेयरधारक बन गए हैं?

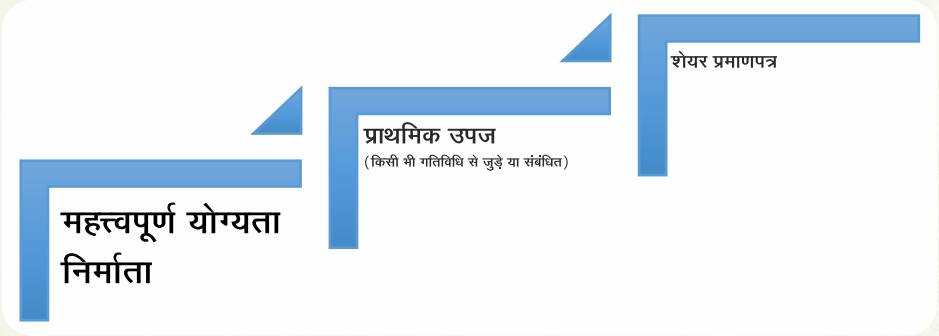

दिखाएँ : शेयर सर्टिफिकेट

पूछें : एफ.पी.सी. के शेयरधारक बनने की प्रक्रिया क्या है?

- शेयरधारक रजिस्टर और एफ.पी.सी. एम.आई.एस. का रखरखाव।
- आरओसी आवेदन एफपीसी के सी.ई.ओ. द्वारा फाइलिंग के लिए नियुक्त सीए को प्रदान किया जाता है।
- प्राप्त शेयर सर्टिफिकेट BoD द्वारा शेयरधारक को वितरित किया जाता है।

एफ.पी.सी.

ईसी सदस्य निम्नलिखित गतिविधि में शामिल होंगे:

- पीजी मीटिंग के दौरान एफपीसी का हिस्सा होने के महत्त्व और लाभ के बारे में सूचित करेंगे।
- शेयरधारक बनने के लिए इच्छुक सदस्यों को जुटाएं।
- प्रत्येक इच्छुक सदस्य को शेयर पूंजी के रूप में 500/– रुपये देने होंगे।
- शेयर पूंजी का पैसा पीजी / वीओ द्वारा एफपीसी खाते में जमा किया जाएगा।
- प्रत्येक सदस्य को 500/– रुपये की रसीद प्रदान करें।

पी.जी./वी.ओ.

10 मिनट :– संक्षेपण एवं पुनरावलोकन

5 मिनट : समापन – अनुदेश

प्रतिभागी अपने सवालों तथा इस प्रशिक्षण से जो अपेक्षा है उसका पुनरावलोकन कर लें

पूछें : क्या किसी के पास आज के सत्र से सम्बंधित कोई सवाल भी है ?
वैसे किसी भी सवाल का जवाब दीजिये

बताइए :

- प्रशिक्षण में उपयोग में लाई गयी सामग्री को अपने साथ ले जाएँ
- संसाधन के तौर पर आपके द्वारा यहाँ जो भी कार्य किया गया है उसे सुरक्षित रखें और जरूरत पड़ने पर अपने टीम के सदस्यों को बताएं
- अपने साथी के साथ इस पूरे प्रशिक्षण को दुहरायें तथा अपने प्रबंधन दल का निर्माण करने में इसका उपयोग करें
- इस सत्र से मिली सीख को आधार बनाकर अगले सत्र में जाने की तैयारी करें

जीविका

बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बिहार

विधुत भवन–2, जवाहरलाल नेहरू मार्ग (बेली रोड), पटना,
बिहार, पिन–800021, दूरभाष:+91-612-2504980/60,
वेबसाइट : www.brlp.in. ई–मेल : info@brlp.in